वर्ष - 32 अंक - 50 | नई दिल्ली, 13 - 19 दिसम्बर, 2020 | कुल पृष्ठ - 8, वार्षिक शुल्क 200/- (डाक द्वारा)

nns COMMODITY APP एप्लिकेशन
अब बिल्कुल नए रूप में...
क्या खरीदें-क्या बेचें कब खरीदें-कब बेचें
अनाज-दाल मसाले-सूखे मेवे तेल-तिलहन
मंदी-तेजी सहित जानकारी आपके मोबाइल पर बिल्कुल फ्री तीन दिन तक
9899632000 8447732401

08882-500-400
Royal Pepper banquets
PEERAGARHI
WAZIRPUR
ROHINI

NNS
प्रकाशन
बदलते भारत की सभ्य तस्वीर
मेरी दिल्ली
साप्ताहांत
Mob. : 08447732401 www.meridelhi.com www.nnsmediagroup.com

08882-500-400
THE MAIDENS CROWN BANQUETS
PEERAGARHI
WAZIRPUR
ROHINI

uniwhite
PRIDE OF WALLS
PAINTS | WALL-PUTTY | P.O.P.
95 99 98 05 75 -- 77

संस्थापक : स्वर्गीय नेकीराम गुप्ता । प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता । संपादक : राजेश गुप्ता । संवाददाता : अक्षय गुप्ता । कार्यालय : मेरी दिल्ली हाउस, 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 । मूल्य ` 3:00/- /MeriDelhiNews ई-मेल:nnsonline@nnsonline.com

गुरु नानक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पंजाबी बाग द्वारा गुरु नानक देव जी के 551 बें प्रकाश पर्व का शानदार आयोजन

पंजाबी बाग। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अधीन चल रहे गुरु नानक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पंजाबी बाग द्वारा रविवार 6 दिसंबर को गुरु नानक देव जी के 551बें प्रकाश पर्व का शानदार आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा किसी विशेष कार्यक्रम की वजह से उपस्थित तो नहीं हो सके लेकिन उन्होंने प्रकाश पर्व के इस शानदार आयोजन पर मैनेजमैंट कमेटी के पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रकाश पर्व के इस अवसर पर विशेष रूप से पधारे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जनरल सेकेट्री स. हरमीत सिंह कालका इंस्टिट्यूट की समस्त मैनेजमेंट, डायरेक्टर एवं स्टाफ ने अपनी हाजिरी भरते हुए वाहेगुरु के चरणों में उपस्थिति दर्ज कराई। इंस्टीट्यूट के समस्त पदाधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए सुबह 11 बजे पाठ जपजी साहिब से कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात 12 बजे भव्य कीर्तन का आयोजन हुआ। दोपहर 1 बजे गुरमत विचार अरदास कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति की गई एवं प्रकाश पर्व पर उपस्थित सभी महानुभावों के लिए गुरु के लंगर की अटूट व्यवस्था थी।

गुरु नानक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित किए गए गुरु नानक देव जी के 551बें प्रकाश पर्व पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी के जनरल सेकेट्री **स. हरमीत सिंह कालका** ने कहा कि मैं आज इंस्टिट्यूट की समस्त मैनेजमेंट का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूं कि जिन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर इस शानदार गुरु पर्व का आयोजन किया उन्होंने कहा कि आज सिख समाज के लोग सम्पूर्ण विश्व में निवास कर रहे हैं तथा सिख एवं सिखी को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी ने सामाजिक बुराइयों को मिटाने के जोरदार प्रयास किए, विशेष तौर पर महिलाओं से भेदभाव से संबंधित शिक्षा पर रोक, जाति व्यवस्था एवं निम्न वर्ग के मंदिरों पर रोक जैसे संबंधित मामलों को दूर करने में गुरु नानक देव जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समाज के उत्थान का यह सिलसिला सिख समाज के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी से प्रारंभ होकर दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी तक निरंतर जारी रहा यदि हम सभी गुरु नानक देव जी के सच्चे अनुयायी हैं तो हमें आज गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर यह शपथ लेनी चाहिये कि हम जीवन में कभी भी किसी का हक नहीं खाएंगे, जीवन में चोरी एवं व्यभिचार नहीं करेंगे, सिर्फ ईमानदारी से कीरत करेंगे तथा गरीबों एवं जरूरतमंद बंधुओं की यथासंभव मदद करेंगे, यदि हम ऐसा करने में सफल हो जाते है तो हमारे सिख समाज से ही नहीं बल्कि पूरे देश एवं दुनिया से आधे से ज्यादा पाप कम हो जाएगा।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मैम्बर **स. सरबजीत सिंह विरक** ने इस अवसर पर कहा कि विडंबना है कि हम गुरु को मत्था तो टेकते हैं किंतु उनकी शिक्षाओं पर पहरा नहीं देते जैसा कि गुरु नानक देव जी के विषय में सभी जानते हैं कि उन्होंने 18 वर्ष तक खेती की और समाज को बताया कि गृहस्थ जीवन कैसे जिया जाता है। आज के समय में अदालतों में सबसे ज्यादा मामले तलाक के हैं। तीन तलाक के खिलाफ सरकार एवं अदालतों को कानून बनाना पड़ा, यदि हम गुरु की सीख एवं शिक्षाओं को मानते तो शायद इसकी नौबत नहीं आती आज हमें गुरु नानक देव जी के इस प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है हम तभी सफल हो पाएंगे जब प्रत्येक व्यक्ति उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन पर लागू करेगा।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग के चेयरमैन **स. गुरिंदर पाल सिंह राजू** ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि गुरु पर्व के आयोजन के इस अवसर पर विशेष रुप से पधारे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जनरल सेकेट्री स. हरमीत सिंह कालका कमेटी सदस्य स. सरबजीत सिंह विरक, मनजीत सिंह औलख तथा मैनेजमेंट के समस्त पदाधिकारियों एवं सभी बंधुओं का मैं तहेदिल से स्वागत करता हूं तथा वाहेगुरु से अरदास करता हूं कि वह आप सभी पर अपनी रहमतों की मेहर बनाए रखेंगे। स. गुरिंदर पाल सिंह राजू जी ने कहा कि जब से दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष के रूप में स. मनजिंदर सिंह सिरसा एवं जनरल सेकेट्री स. हरमीत सिंह कालका ने कार्यभार संभाला है तब से अब तक तकरीबन 30 करोड रुपए की राशि गुरुद्वारा कमेटी द्वारा एजुकेशन के लिए दी जा चुकी है क्योंकि कमेटी का विजन है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले जिससे आगे चलकर वे देश का भविष्य सुधार सकें, इसी सोच के साथ आईएएस, आईपीएस सहित सिविल सेवाओं की पढ़ाई करने के लिए कई एकेडमियां खोली जाएं ताकि आने वाले समय में ज्यादा से ज्यादा सिख बच्चे आईपीएस, आईएएस के पद पर पहुंचकर समाज की सेवा कर सकें। उन्होंने कॉलेज के चेयरमैन स. परमजीत सिंह रॉक्सी, मैनेजर परमिंदर सिंह सचदेवा, डायरेक्टर मनिंदर कौर को संस्थान को सफलता की बुलंदियों पर ले जाने पर हार्दिक बधाई दी।

गुरु नानक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पंजाबी बाग के चेयरमैन **परमजीत सिंह रॉक्सी** ने कहा कि वह समाज सेवा के प्रत्येक कार्य को अपने जीवन में गुरु का हुक्म मानकर करते आए हैं। उन्होंने बताया कि वह गुरु द्वारा बताए गए दसबंद को समाजसेवा, जरूरतमंदों तथा दिव्यागों एवं नेत्रहीनों के हक में खर्च करते आये है। उनका यह भी मानना है कि व्यक्ति के हाथ से दान ऐसा होना चाहिए कि बाएं हाथ से किए गए दान का दाहिने हाथ तक को पता ना चले, कहने का तात्पर्य यह है कि दान करने के पीछे दिखावा नहीं होना चाहिए तथा दान की गई राशि अथवा वस्तु वास्तविक जरूरतमंद तक पहुंचनी चाहिए।

इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर **डॉ. मनिंदर कौर** ने इस अवसर पर कहा कि पंजाबी भाषा दा दर्जा अज सबतो ऊपर है ऐह सम्मान किसे होर भाषा नू हासिल नहीं है लेकिन कुछ समय तो बेख्या जा रहा है कि आप्पा अपनी मां बोली तो दूर होइ जा रहे है जे कर असी अपने बच्चायां नू पंजाबी नहीं सिखावेंगे तां गुरु ग्रंथ साहिब अग्गे जाकर कौन पढ़ेगा, सानू ऐस ते पहरा देन दी लोड है।

मैनेजर **स. परमिंदर सिंह सचदेवा** ने कहां की आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और दिनचर्या के बीच सिख कौम के नौनिहाल एवं युवा बच्चे बच्चियों को जागना पड़ेगा इसके लिए प्रयास भी हमें ही करने होंगे। मेरी दिल्ली से एक साक्षात्कार के दौरान जीवन में सफलता के विषय में पूछने पर उन्होंने बताया कि जीवन में सफल होने के लिए कभी भी कोई शॉर्टकट नहीं होना चाहिए। सिर्फ वाहेगुरु एवं ईश्वर में आस्था रखते हुए पूरी मेहनत एवं समर्पण के साथ अपने कार्य में लगे रहना चाहिए, वाहेगुरु आपको अवश्य सफलता के मुकाम तक पहुंचायेंगे।

NCJPS Alumni Association

is Organising

Chairman's Alumni Challenger T20 Cricket Cup

At

NC Jindal Public School Ground, Punjabi Bagh

On

20th Dec. 2020 (Sunday) at 9.00 AM

Sponsor Of The Event

ASHOK GOEL
CHAIRMAN
NCJPS Alumni Association

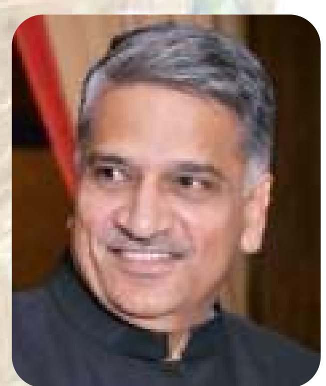

RISHI PAL
CHIEF PATRON
NCJPS Alumni Association

Yogesh Mehta
9811338000
President
NCJPS Alumni Association

Nitin Sehgal
8130733266
Sr. Vice President
NCJPS Alumni Association

Amit Chadha
9811544744
Gen. Secretary
NCJPS Alumni Association

Kumud Khanna
9810240049
Organising Secretary
NCJPS Alumni Association

Co-Sponsor Of The Event

AgroPure
Amit Goyal
Director, GPA Capital Foods

Brij since 1957
Brij Sports

SHIV
Shiv Fruit Mart

ALL NCJPS ALUMNI ARE WELCOME

आर्थिक संकट एवं नया संसद भवन

राजेश गुप्ता

कोरोना संक्रमण के कारण जिस समय देश की अर्थव्यवस्था मंदी की मार झेल रही है, करोड़ों लोग रोजी-रोटी की तलाश में मारे-मारे फिर रहे हैं देश का अन्नदाता सड़कों पर उतर कर अपना अधिकार मांग रहा है, सकल घरेलू उत्पाद में 8 फीसदी की गिरावट दर्ज होने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है उस समय देश को नए संसद भवन की जरूरत क्या इतनी ज्यादा थी कि सरकार उस पर 970 करोड रुपए खर्च करे। एक साधारण आदमी भी इस बात को अच्छी तरह समझता है कि मकान बनाने का काम तब किया जाएगा जब परिवार की प्राथमिक आवश्यकताएन पूरी हो जाएंगी एवं कुछ अतिरिक्त रूपए परिवार के पास एकत्र हो जाएगा। यदि घर में जवान बेटी की शादी करने की आवश्यकता हो, बेटे की पढ़ाई-लिखाई करवाने की जिम्मेदारी हो उस समय कोई भी व्यक्ति मकान बनाने के बारे में नहीं सोचता है। देश के प्रधानमंत्री के लिए भी देश एक परिवार के समान है एवं देश के मुखिया के रूप में उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वह अपनी प्राथमिकताएं तय करें। जिससे उनके परिवार के प्रत्येक सदस्य की प्राथमिक आवश्यकताएं पूरी हो सके। देश में जब बेरोजगारी की समस्या सुरसा की तरह मुंह बाए खड़ी है उस समय संसद भवन के निर्माण पर 970 करोड़ रुपए खर्च करना, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण पर हजारों करोड़ रुपए खर्च करना, सरदार पटेल की प्रतिमा के निर्माण पर पहले हजारों करोड़ रुपए खर्च करना एवं फिर उसको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए पानी की तरह पैसा बहाना, प्रधानमंत्री के लिए विशेष विमान मंगवाने पर कई करोड़ रुपए खर्च करना, अयोध्या में संरचनात्मक ढांचे के विकास पर करोड़ों रुपए खर्च करना एवं दिए जलाने का रिकॉर्ड स्थापित करना कहां तक उचित है। अभी कोरोना के टीकाकरण अभियान को पूरे देश में सफलतापूर्वक लागू करने के लिए सरकार को हजारों करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। कोरोना के नाम पर संभव है कि सरकार को विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से सस्ती ब्याज दरों पर ऋण भी मिल जाए लेकिन एक न एक दिन वह पैसा भारत को तो वापस करना ही पड़ेगा। इस स्थिति में क्या यह जरूरी नहीं है कि सरकार अपने कोष का सदुपयोग सोच-समझ कर करे एवं उसको ऐसे कामों में लगाने का प्रयास करे जिससे लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके।

लगता है कि मोदी जी को इतिहास में नाम दर्ज रखने की जल्दी है, इसीलिए वे उन कामों को प्राथमिकता देने का प्रयास कर रहे हैं जिससे युगों-युगों तक लोग उनके नाम को याद कर सके। मोदी जी रिकॉर्ड स्थापित करने में काफी सक्रिय हैं। उदाहरण के लिए उन्होंने अयोध्या में प्रत्येक वर्ष पिछले वर्ष से ज्यादा दिए जलवाने का रिकॉर्ड स्थापित किया है लेकिन अयोध्या में स्थापित रिकॉर्ड को उन्होंने इस वर्ष देव दीपावली पर स्वयं ही वाराणसी में तोड़ दिया। गुजरात में उन्होंने दुनिया का सबसे विशाल क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करवाया है जिसका शुभारंभ 2020 में ही नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम के साथ किया गया था। गुजरात में ही उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने का कारनामा कर दिखाया है। जो भी व्यक्ति नर्मदा नदी के किनारे बनाई गई सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का अवलोकन करेगा वह पटेल के साथ ही मोदी जी को भी जरूर याद करेगा। इसी प्रकार अयोध्या में बनने वाले भगवान श्री राम के मंदिर को देखने के लिए जब भी देश-विदेश से श्रद्धालु भक्त लाखों की संख्या में पहुंचेंगे तो वे रामलला का आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ ही मोदी जी के प्रति भी आभार व्यक्त करना नहीं भूलेंगे जिनके द्वारा इस मंदिर का भूमि पूजन एवं निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया था। इसी तरह वाराणसी में बनने वाला काशी विश्वनाथ कॉरिडोर देखने के बाद भी कोई व्यक्ति नरेंद्र मोदी को भूल नहीं पाएगा क्योंकि उसका निर्माण भी उन्ही के मार्गदर्शन में वाराणसी के सांसद के रूप में करवाया जा रहा है। अब उन्होंने एक ऐसा भवन निर्माण करवाने का फैसला किया है जो भारत के पुराने संसद भवन का स्थान लेगा। खबर के अनुसार नए संसद भवन की आयु 150 वर्ष रखी गई है। यह न जाने कितने वर्षों तक भारतीय लोकतंत्र के मंदिर के रूप में जाना जाएगा। यह एक ऐसा भवन है जिसके साथ मोदी जी का नाम सदा-सदा के लिए जुड़ जाएगा एवं लोग उसे देखकर उसी प्रकार मोदी जी को भी याद करेंगे जिस प्रकार लाल किला, ताजमहल, कुतुबमीनार इत्यादि को देखकर उनका निर्माण करवाने वाले बादशाहो को याद करते हैं। अपने नाम को अमर बनाने का इससे बेहतर तरीका दूसरा नहीं हो सकता।

E-mail : rgupta@nnsonline.com

दीप ह्युन्डै में ह्युन्डै स्मार्ट केयर क्लीनिक का आयोजन 14 से 23 दिसंबर तक

ह्युन्डै कारों के सभी कस्टमर्स अपनी गाड़ियों का बेहतर ढंग से रख-रखाव कर सकें इसके लिए समय-समय पर ह्युन्डै मोटर्स इंडिया द्वारा कार केयर कैम्पों का आयोजन किया जाता है।

कोविड-19 के इस दौर में ह्युन्डै के सभी सम्मानित कस्टमर्स अपनी गाड़ियों को पूर्णतया स्वस्थ एवं हाइजीन रख सके इसके लिए ह्युन्डै मोटर इंडिया द्वारा समस्त भारत में 'ह्युन्डै स्मार्ट केयर क्लीनिक' के नाम से विशेष प्रकार के कैंप का आयोजन किया गया है।

समस्त भारतवर्ष में राजधानी दिल्ली की ह्युन्डै कारों की प्रतिष्ठित डीलर कंपनी दीप ह्युन्डै द्वारा भी अपनी सभी वर्कशॉप मंगोलपुरी पीरागढ़ी एवं नगली सकरावती, नजफगढ़ में 14 से 23 दिसंबर तक 'ह्युन्डै स्मार्ट केयर क्लीनिक' का आयोजन किया गया है जहां पर दीप ह्युन्डै के सभी सम्मानित ग्राहक अपनी ह्युन्डै कार को ले जाकर विशेष प्रकार की सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं।

'ह्युन्डै स्मार्ट केयर क्लीनिक' में 200 भाग्यशाली कस्टमर्स को एक साल की एक्सटैंडिड वारंटी बिल्कुल मुफ्त दी जाएगी।

एक हजार भाग्यशाली कस्टमर्स को फ्यूल कार्ड हेतु अमेजॉन वॉउचर मुफ्त में दिये जायेंगे।

फ्री टॉप वाश की सुविधा मिलेगी।

सभी मैकेनिकल पार्ट्स पर दस प्रतिशत व मैकेनिकल लेबर पर बीस प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

ह्युन्डै की किसी भी नई गाड़ी की खरीद पर रु. 70,000 की डिस्काउंट दिए जाने के साथ-साथ और भी कई प्रकार के विशेष ऑफर का कस्टमर लाभ उठा सकते हैं। दीप ह्युन्डै द्वारा आयोजित किए गए 'ह्युन्डै स्मार्ट केयर क्लीनिक' में इस कैम्प के दौरान कस्टमर्स की अच्छी खासी उपस्थिति रहेगी।

उल्लेखनीय है कि ह्युन्डै कारों के बेहतर रख-रखाव एवं मैंटीनेंस हेतु दीप ह्युन्डै एक अति प्रतिष्ठित नाम है।

दीप ह्युन्डै के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एस के शर्मा एवं डायरेक्टर प्रदीप शर्मा द्वारा समय-समय पर अपने प्रतिष्ठित कस्टमर्स हेतु कस्टमर मीट का भी आयोजन करते हैं ताकि ह्युन्डै मोटर्स इंडिया द्वारा दी जाने वाली सभी नवीनतम योजनाओं का लाभ दीप ह्युन्डै के सम्मानित ग्राहक उठा सकें।

अतः आप भी 14 से 23 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 'ह्युन्डै स्मार्ट केयर क्लीनिक' कैंप में पहुंचकर ह्युन्डै मोटर्स इंडिया द्वारा दी जाने वाली विशेष सेवाओं का लाभ उठाएं।

भाजपा ने किया आप विधायकों का घेराव

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के बकाया 13 हजार करोड़ के फंड के लिए भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर दिल्ली के सभी आम आदमी पार्टी के विधायकों का घेराव करने का आयोजन हुआ। इस निमित्त चांदनी चौक विधानसभा के विधायक सरदार प्रहलाद सिंह साहनी के निवास के लिए क्लब रोड से उपराज्यपाल निवास मार्ग से राजपुर रोड तक भाजपा नेता-कार्यकर्ता गए। इस प्रदर्शन में भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर, पूर्व महापौर जत्थेदार अवतार सिंह, निगम पार्षद रवि कप्तान, पूर्व निगम पार्षद सुमन गुप्ता, जिला मंत्री अशोक तोमर, मोहनजीत कौर, आशा वर्मा, अशोक कुमार, विकास गहलोत सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

जीवशक्ति फाउंडेशन ने चलाया वैक्सीनेशन ड्राइव

इस चौथे वार्षिक अभियान के दौरान 172 कुत्तों का हुआ टीकाकरण

पंजाबी बाग। बेजुबान जीवों की सेवा के लिए समर्पित जीवशक्ति फाउंडेशन ने अपनी सेवा की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बीते दिनों दो दिवसीय एनुअल वैक्सीनेशन ड्राइव का आयोजन किया। जीवशक्ति फाउंडेशन के इस चौथे वार्षिक टीकाकरण महाभियान के दौरान ईस्ट एवं वेस्ट पंजाबीबाग, मादीपुर, पश्चिम पुरी एवं सुंदर विहार आदि क्षेत्रों में 172 कुत्तों का टीकाकरण किया गया। कुत्तों को 6 बीमारियों से बचाने के लिए उन्हे सिक्स इन वन टीका तथा एंटी रैबीज टीका लगाया गया। जीवशक्ति फाउंडेशन की संस्थापिका जसलीन चड्ढा ने बताया कि हमारे आसपास रहने वाले बेजुबान जीवों जैसे कुत्तों आदि को तमाम बीमारियों से बचाना जाता है। ऐसे में इन बेजुबान जीवो का हर साल टीकाकरण किया जाना जरूरी होता है, ताकि वे भी सुरक्षित रहें। इसके लिए हर साल हम लोग वैक्सीनेशन ड्राइव का आयोजन करते हैं। इस दौरान बेजुबान जीवो को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए सिक्स इन वन टीका तो लगाया ही जाता है साथ ही उन्हें एंटी रैबीज टीका भी लगाया जाता है, ताकि उनके काटने पर किसी व्यक्ति के जान जाने का खतरा न रहे। पिछले चार सालों में अब तक जीवशक्ति फाउंडेशन द्वारा 1242 कुत्तो एवं बिल्लियों को एंटी रैबीज टीका एवं 543 को सिक्स इन वन टीका लगाया जा चुका है। इस कार्य में हमें हमारे वालंटियर्स ज्योति मेहता, अमिता रजा, मीनाक्षी सिंह, नितिन गोसाईं, नीति गोसाईं एवं मंगल सिंह आदि का भरपूर सहयोग मिला।

उल्लेखनीय है कि जीवशक्ति फाउंडेशन बेजुबान कुत्तों एवं पक्षियों की सेवा के लिए समर्पित है। वह नियमित रुप से इनके लिए भोजन एवं दाने-पानी का प्रबंध करती है। जगह-जगह उसके वालंटियर्स नियमित रूप से बेजुबान जीवों की देखभाल करते हैं और जरुरत पड़ने पर चिकित्सकीय सुविधा भी उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा सर्दी के मौसम में कुत्तों को गर्म कपड़े भी पहनाए जाते है।

विवाह संस्कार के दौरान लिया कमाई का दो फीसदी हिस्सा समाजसेवा में खर्च करने का वचन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन दिल्ली एनसीआर के अध्यक्ष देवेन्द्र अग्रवाल के पुत्र एकान्श अग्रवाल का गत 10 दिसम्बर को बड़े ही धूमधाम के साथ विवाह संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान जब दूल्हा दुल्हन एक दूसरे को वचन दे रहे थे तो देवेन्द्र अग्रवाल ने भी उन दोनों से एक वचन लिया कि वे दोनों अपनी कमाई का 2 प्रतिशत समाज हित एवं गरीबों की मदद में खर्च करेंगे और दोनों ने उन्हे ये वचन दे दिया।

मेरी दिल्ली सप्ताहांत
मेरी दिल्ली हाउस, 25/10
ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26
आर.एन.आई. नं. : 49326/89
रजि. नं. : DL (W) 05/2065/18-2020
लाइसेंस नं. : U (W) - 8/2018-2020
संस्थापक : स्व. नेकी राम गुप्ता
प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता
संपादक : राजेश गुप्ता
वार्षिक शुल्क
साधारण डाक से : 200 रु.
विज्ञापन व प्रशासन
मो.-8447732401, 9899632000
इंटरनेट सर्विस: www.nnsmediagroup.com
ई-मेल : nnsonline@.nnsonline.com
स्वत्वाधिकारी एन.एन.एस. ऑनलाइन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक राजेश गुप्ता द्वारा 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 से प्रकाशित तथा विभा पब्लिकेशन प्रा.लि., डी-160 बी, सेक्टर-7, नोएडा से मुद्रित
लिखित अनुमति के बिना सम्पूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबंधित।
नोट : 'मेरी दिल्ली' में प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा।
आवश्यक सलाह : विज्ञापन में किए गए दावों के संबंध में किसी निर्णय से पहले पाठक सभी तथ्यों की समुचित जांच स्वयं कर ले। किसी भी प्रकार के लेन-देन / दावे के लिए समाचारपत्र जिम्मेवार नहीं है। सूचना- वस्तु उपयोग व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की प्रामाणिकता के लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार या डॉक्टर की सलाह पर ही अमल करें। 'मेरी दिल्ली' प्रबंधन इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

एक दूजे के हुए शिवानी एवं कुणाल

पंजाबी बाग। मानव जीवन 16 पवित्र संस्कारों से बना है। इन्हीं संस्कारों में से सबसे महत्वपूर्ण संस्कार है विवाह संस्कार जिसके माध्यम से इंसान गृहस्थ जीवन में प्रवेश करता है। 25 नवंबर को राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता एवं गंगा बिशन गुप्ता के बड़े भाई स्वर्गीय राम कुमार गुप्ता जी एवं महादेवी की पौत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल द्वारका के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट वीरेंद्र कुमार गर्ग एवं शशिबाला गर्ग की भतीजी तथा सत्यपाल गुप्ता एवं श्रीमती भावना गुप्ता की सुपुत्री आयु. शिवानी ने वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति सुनील कुमार गर्ग एवं श्रीमती नीलम गर्ग के सुपुत्र चि. कुणाल के साथ अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर जन्म-जन्मांतर तक साथ निभाने के संकल्प के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंध गई। एक ओर जहां शिवानी किसी अप्सरा से कम नहीं दिख रही थी तो वहीं कुणाल भी दूल्हे के सेहरे में सुहाने लग रहे थे।

विवाह समारोह वेस्टिन सोहना रिजॉर्ट एंड स्पा सोना हरियाणा में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर विवाह स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था एवं कोरोना के नियमों का पूरा पालन किया गया। शादी पूरे हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार वैदिक मंत्रों के बीच संपन्न हुई। इस विवाह समारोह के तीन दिनों तक आयोजित विभिन्न रस्मों में परिवार के सभी सदस्यों के साथ तमाम गणमान्य मेहमान भी थे।

गौरतलब है कि पीतमपुरा निवासी वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति सुनील गर्ग का जूते का व्यवसाय है। जिनमें उनकी कंपनियां लिप्रो गुडले, पीयू ब्राइट, रीजिप नरेला में स्थित है। इस शादी समारोह में परिवारजन, सगे-संबंधियों सहित राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता, गंगाबिशन गुप्ता, वीरेंद्र कुमार गर्ग-शशिबाला गर्ग, मोहन गर्ग-अंजू गर्ग, सत्यपाल गुप्ता-भावना गुप्ता, भाई गौरव गर्ग-रचिता गर्ग, विशाल गर्ग-शैवी गर्ग, आकाश गर्ग-वंदना गर्ग, शिवम गर्ग एवं अनुपम गर्ग ने नवयुगल को सफल वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

A COURIER with CARE a name of Trust
AGC
Akash Ganga®
Courier Limited
MORE THAN 3000 DESTINATION
Regd. Off. :
Opp. Railway Station, Loonkaransar, Distt. Bikaner (Raj.)
Corporate Office
1310-11-12, D.B. Gupta Road (Naiwala), Karol Bagh, New Delhi-05
Ph. : 011-28752881
E-mail : delhi@akashganga.info, Website : www.akashganga.info

मेरी दिल्ली -मेरी शान

विरोध को देश विरोधी बताने की रणनीति

अक्षय गुप्ता

किसानों एवं सरकार के बीच वार्ता अब टूट चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह किसानों की आशंका दूर करने को तैयार है लेकिन उसके द्वारा कृषि सुधारों से संबंधित बिल वापस नहीं लिए जा सकते और किसानों का कहना है कि इन बिलों में संशोधन से किसानों की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। इसलिए यह आंदोलन तभी वापस लिया जाएगा जब सरकार कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान करेगी एवं कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने के लिए नया कानून बनाएगी। फिलहाल दोनों पक्षों में सुलह की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है। आने वाले दिनों में इस आंदोलन के और प्रभावी होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों ने दिल्ली की कई सीमाओं पर आने-जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया है एवं उनके द्वारा घोषणा की गई है कि 12 दिसंबर तक दिल्ली को जोड़ने वाले सभी रास्तों को बंद करके देश की राजधानी में आने-जाने की प्रक्रिया को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया जाएगा। यदि ऐसा होता है तो इससे न केवल सरकार के सामने कठिनाई की स्थिति उत्पन्न होगी वरन दिल्ली में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जिससे दिल्लीवासियों को अत्यंत कठिन स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। देश में पहली बार इस प्रकार का आन्दोलन देखने को मिल रहा है जिसमें देश की राजधानी को एक प्रकार से बंधक बनाने की चेतावनी किसान संगठनों द्वारा जारी की गई है। इसलिए सरकार को स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए एवं समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। अभी तक किसानों का आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा है जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। इतनी विशाल भीड़ को शांत बनाए रखना कोई आसान कार्य नहीं है। सरकार द्वारा भी अभी तक आंदोलन को समाप्त करने के लिए अथवा रास्तों को खोलने के लिए बल प्रयोग नहीं किया गया है। सरकार द्वारा इस आंदोलन को तोड़ने के लिए संभवतः तब तक बल प्रयोग नहीं किया जाएगा जब तक दिल्ली में आवागमन का विकल्प मौजूद रहेगा। इसके विपरीत यदि किसानों द्वारा दिल्ली में आवागमन को पूरी तरह से बंद करने की धमकी पर अमल कर दिया गया तो सरकार के लिए उसको ज्यादा समय तक बर्दाश्त करना संभव नहीं होगा। इस स्थिति में केवल दो ही विकल्प उसके पास बचेंगे पहला किसानों पर बल प्रयोग करके उनको रास्तों से हटाने का प्रयास सरकार द्वारा किया जाए एवं दूसरा किसानों की दोनों मांगों को स्वीकार करने की घोषणा सरकार द्वारा की जाए। यदि सरकार किसानों की बात मानने की घोषणा करती है तब तो कोई संकट खड़ा नहीं होगा लेकिन यदि सरकार द्वारा बल प्रयोग किया जाएगा तो स्थिति काफी विस्फोटक हो सकती है एवं इसके काफी दूरगामी परिणाम झेलने के लिए सरकार को तत्पर रहना पड़ेगा।

फिलहाल सरकार द्वारा इस आंदोलन को बदनाम करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है जिससे इस आंदोलन को देश विरोधी साबित किया जा सके। सरकार का खुला समर्थन करने वाले तमाम टीवी चैनलों पर इस प्रकार की खबरें प्रसारित की जा रही है कि किसान आंदोलन को खालिस्तानी आतंकवादियों का समर्थन प्राप्त है एवं इसको आगे बढ़ाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की भी भूमिका है। कनाडा एवं अमेरिका में भारत के खिलाफ आंदोलन के समर्थन में रैलियां निकाली जा रही हैं एवं खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं। सीएए का विरोध करने के लिए जिन लोगों एवं संगठनों ने शाहीन बाग में बहुत लंबा धरना दिया था उन लोगों द्वारा इस आंदोलन को अंदरखाने समर्थन दिया जा रहा है एवं वही शक्तियां इस आंदोलन में भी पर्दे के पीछे काम कर रही हैं। सरकार द्वारा संभवतः किसानों की मांग को स्वीकार करने से इसलिए भी इनकार किया जा रहा है कि यदि किसानों के दबाव में कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की गई तो आने वाले दिनों में सीएए को भी वापस लेने का दबाव बनाया जाएगा एवं सरकार के लिए उस मांग को स्वीकार करने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं बचेगा। सरकार की मजबूरी चाहे जो भी हो लेकिन वह किसानों के आंदोलन को देश विरोधी बताने का जो प्रयास कर रही है उसमें उसे सफलता मिलने की संभावना नहीं है। सिंधु बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर एवं नोएडा बॉर्डर पर जिस संकल्प एवं दृढ़निश्चय के साथ किसान बैठे हुए हैं एवं उनकी जिस प्रकार की तैयारी नजर आ रही है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि सरकार की भलाई इसी में है कि वह किसानों की बात को स्वीकार करे एवं किसानों की आशंका को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से कृषि कानूनों को संसद से पारित करवाने की घोषणा करे। इसके अलावा फिलहाल दूसरा कोई रास्ता सरकार के पास नहीं है। सरकार यदि अपनी जिद पर अड़ी रही तो इसका खामियाजा न केवल उसे वरन पूरे देश को भुगतना पड़ेगा।

E-Mail : akshaynns@gmail.com

शीघ्र विवाह के सरल उपाय

नरेश चंद्र शास्त्री

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कई बार विवाह योग्य होने के बाद भी विवाह में विलंब हो जाता है और अड़चने आ जाती हैं। कई बार कुंडली में दोष होने से मंगल दोष या शनि की दशा खराब होने से भी विवाह होने में देरी हो जाती है। सभी देवताओं के गुरु हैं वृहस्पति जी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बृहस्पति देव की पूजा करने से शादी में आ रही रुकावट दूर हो जाती है। पर एक बात का ध्यान दें बृहस्पति पूजा बृहस्पतिवार को ही करनी चाहिए। बृहस्पति देव की पूजा में पीले रंग का वस्त्र, हल्दी, पीला फल, पीले फूल, चने की दाल और केला चढ़ाएं। बृहस्पतिवार का व्रत रखें, पीला भोजन करें, पीले रंग का ही वस्त्र धारण करें और प्रत्येक गुरुवार को पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर स्नान करें। वह इसलिए क्योंकि हल्दी का रंग भी पीला होता है, इसलिए आपकी त्वचा में भी निखार आ जाएगा। यदि कोई वर शादी के लिए देखने जा रहा है तो गुड़ खाकर निकलना चाहिए। कन्या को जल्दी शादी के लिए थोड़ा सा गुप्त दान करना चाहिए। शादी भी जल्दी होती है और गृहस्थ जीवन खुशहाल होता है, लेकिन एक बात का ध्यान रखें गुप्त दान की चर्चा किसी से ना करें। गुप्त दान से शादी में शनि, राहु के कारण आने वाली बाधा दूर हो जाती है। आपके पास किसी की शादी हो रही हो तो दूल्हे का उतारा हुआ सेहरा अपने सिर पर रख लें, इससे कुंवारे लड़के की शादी जल्दी हो जाती है और कोई कन्या है तो उसे दुल्हन से सिर लगा लेना चाहिए। विवाह योग्य युवक-युवती एक गलती करते हैं अकेले सिर्फ राम, शिव, कृष्ण की पूजा करते हैं। इससे भी विवाह में देरी हो जाती है। देरी से बचने के लिए शिव-पार्वती, राम-सीता, कृष्ण-राधा की युगल पूजा करें और सोमवार को कच्चे दूध का दान करें। यह प्रक्रिया कार्य सिद्धि तक करते रहें।

भागवताचार्य एवं ज्योतिषाचार्य
गुरुधाम, वृंदावन
9466666649, 9468353535, 9719524899

श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का आयोजन

फरीदाबाद। अग्रवाल परिवार की ओर से 12 दिसंबर से 20 दिसंबर तक सेक्टर-28 फरीदाबाद में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया गया है। इस दौरान कथा व्यास डॉ. नरेश चंद्र शास्त्री जी (छोटे भैया) प्रतिदिन 3 बजे से 7 बजे तक अपनी सुमधुर वाणी से श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा की अमृत वर्षा करेंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालु भक्तों से कथा में शामिल होकर भगवत कृपा का लाभ उठाने की अपील की है।

ललित एण्ड पार्टी
★ भगवती जागरण
★ चौकी
★ भजन संध्या
★ लेडीज़ संगीत
★ संगीत कार्यक्रम

दूरभाष : 9899193399, 25218278, 25216338
304, पॉकेट-1, पश्चिम पुरी, शक्ति मार्किट रोड, नई दिल्ली-63
MDW/04

सरकार को कोई भी कार्य करने के लिए प्रबल इच्छा शक्ति दिखाने की जरूरत : कमल बी. जैन

पंजाबी बाग। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन रोड नंबर 77 एवं 78 पंजाबी बाग के प्रधान कमल बी. जैन ने मेरी दिल्ली न्यूज पेपर से एक भेंट वार्ता के दौरान कहा कि दिल्ली वाले हर साल प्रदूषण एवं डेंगू जैसी बीमारियों से परेशान होते हैं। कोर्ट इस मामले में कई बार सरकार को कड़ी फटकार लगाती है, किंतु समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है। सरकार काम के नाम पर बड़े-बड़े विज्ञापन देकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करती दिखाई देती है। कमल बी. जैन ने कहा कि पंजाबी बाग दिल्ली के पॉश एरिया में जाना जाता है। यहां पर एक से बढ़कर एक उद्योगपति रहते हैं। जो कि सरकार को करोड़ों रुपए का टैक्स देते हैं किंतु इस क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा रहता है। यहां पर कई वर्षों से सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है जिसकी वजह से कोई भी दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। वहीं रोड नंबर 77 एवं 78 के सामने से कई सालों से गंदा नाला बह रहा है। नाले की बदबू के अलावा मच्छरों से डेंगू होने का खतरा बना रहता है। श्री जैन ने केजरीवाल सरकार से अपील करते हुए सुझाव दिया कि अगर सरकार मणिपुर सरकार की तरह नालों को नहर के रूप में परिवर्तित कर दे तो इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। सरकार के इस कार्य से यहां के लोगों को बदबू व मच्छरों के आतंक से छुटकारा मिल सकता है। इसी प्रकार नाले के दोनों साइड की जमीन को अगर ग्रीन बेल्ट की तरह यूज कर लें तो नाले की साइड वाली जमीन पर होने वाले अनाधिकृत कब्जे से भी बचा जा सकता है तथा पेड़-पौधों की हरियाली से यहां पर सुबह घूमना-फिरना एवं योगा किया जा सकता है, लेकिन इन सब कार्यों के लिए सरकार को दृढ़ निश्चय करके प्रबल इच्छा शक्ति दिखाने की जरूरत है। वरना शीघ्र ही दिल्ली के पॉश एरिया में आने वाला यह क्षेत्र स्लम में तब्दील हो जाएगा।

मनोज कुमार स्वामी भाजपा करोल बाग जिला के मीडिया प्रमुख मनोनीत

कर्मपुरा। भारतीय जनता पार्टी किस शर्मा की पारी कर्मठ सिपाही मनोज कुमार स्वामी को भाजपा करोल बाग जिला का मीडिया प्रमुख मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष राजेश कुमार गोयल ने इस पद पर श्री स्वामी की नियुक्ति करते हुए उम्मीद जताई है कि वे संगठन को मजबूत करने के लिए अपनी प्रभावशाली भूमिका का निर्वहन कर अपना पूर्ण सहयोग देते रहेंगे। संगठन द्वारा मनोज कुमार स्वामी को जो दायित्व सौंपा गया है वे उसके अनुसार कार्य करते हुए पार्टी की मजबूती एवं मूल्यों की रक्षा के साथ-साथ अनुशासनबद्ध रहकर पार्टी के कार्य में अपना पूर्ण योगदान देते रहेंगे।

अपने मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मनोज कुमार स्वामी ने भाजपा करोल जिला अध्यक्ष राजेश कुमार गोयल सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है वे उन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में तत्पर पाम एज द्वारा अशोक विहार में सहायता शिविर का आयोजन

अशोक विहार। वरिष्ठ नागरिकों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर पाम एज द्वारा हर महीने के दूसरे शुक्रवार को समाज सेवा के कार्यों की कड़ी में इस बार शुक्रवार 11 दिसंबर को सुबह 11 बजे श्री सनातन धर्म मंदिर, ब्लॉक सी-3, अशोक विहार, फेज-2 में आर्थिक रूप से कमजोर वरिष्ठ नागरिकों की सहायता हेतू भव्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पाम एज द्वारा जरूरतमंद लोगों को कच्चे खाद्य सामग्री में 10 किलो आटा, 5 किलो चावल, 1 किलो चना दाल, 1 किलो चीनी, 200 ग्राम चाय की पत्ती, पारले बिस्कुट, मास्क, सैनिटाइजर, नाश्ता एवं 50 रुपए नगद दिए गए। इस दौरान पुराने गर्म कपड़ों का लंगर भी आयोजित किया गया। कोरोना काल को देखते हुए सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन किया गया। मास्क, सैनिटाइजर और 2 गज की दूरी सभी के लिए है जरूरी का विशेष रूप से पालन किया गया। सहायता प्राप्त करने वालों के लिए रजिस्ट्रेशन अशोक विहार क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक आधार कार्ड की कॉपी, फोटो एवं मोबाइल नंबर के साथ मंदिर में सायं 6 बजे से 7.30 तक करवाई गयी थी।

सिखों को देशद्रोही कहने से पहले उनके गौरवशाली इतिहास को जानने की जरूरत : स. गुरलाड सिंह

पंजाबी बाग। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व सदस्य एवं मानव सेवा के कार्यों में सतत योगदान देने वाले स. गुरलाड सिंह ने सोशल मीडिया एवं नेशनल न्यूज चौनलों के एक धड़े द्वारा किसान आंदोलन को देश विरोधी बताने वालों को कड़ी फटकार लगाते हुए अपने एक फेसबुक पर प्रसारित वीडियो में देशवासियों से अनुरोध किया है कि आज उनको सिखों के गौरवशाली इतिहास के बारे में जानने एवं समझने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर भारत चीन युद्ध, भारत पाकिस्तान युद्ध में अपनी वीरता की मिसाल पेश करने वाले सिख 1979-80 आते-आते देशद्रोही कैसे हो गए। उन्होंने इसका कारण स्पष्ट किया है कि भारत में आपातकाल का विरोध करने में पंजाब ने पूरे देश की अगुवाई की थी। जिससे उस समय की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी बुरी तरह नाराज थी एवं उन्होंने सोची-समझी योजना के तहत सिखों को देशद्रोही साबित करने की कोशिश की। जिसकी परिणति 1984 के सिख विरोधी दंगों के रूप में सामने आई एवं हजारों सिखों को देश की सड़कों पर जिंदा जला दिया गया। पंजाब के किसान जिस प्रकार किसान विरोधी कानूनों का विरोध करते हुए पूरे देश को जागरूक करने का काम कर रहे हैं, उसी प्रकार उन्होंने 1975 में आपातकाल का विरोध करने में भी पूरे देश की अगुवाई की थी। उस समय इंदिरा सरकार द्वारा सिखों को देशद्रोही बताने का अभियान चलाया गया एवं आज मोदी सरकार द्वारा सिखों को देशद्रोही बताने की कोशिश की जा रही है।

श्री सिंह के अनुसार जब हिंदू धर्म की रक्षा के लिए सिखों ने मुगलों के खिलाफ मोर्चा लिया एवं उनके अन्याय के सामने सिर झुकाने से इंकार कर दिया तो मुगलों ने भी सिखों को देशद्रोही साबित करने की कोशिश की। इस वास्तविकता को सभी लोग जानते हैं कि मुगलों से हिंदू धर्म की रक्षा करने का काम दो कौमों ने किया, पहले सिख एवं दूसरे मराठा। स. गुरलाड सिंह के अनुसार अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल पंजाब में ही फूंका गया। लाला लाजपत राय एवं भगत सिंह जैसे शहीदों के बलिदान ने पूरे देश में आजादी की अलख जगाई। जिसका परिणाम यह हुआ कि अंग्रेजों ने भी सिखों को देशद्रोही साबित करने की कोशिश की। आज भी सिख परिवारों से एक बेटा खेत की रक्षा करता है तो दूसरा बेटा भारत की सीमाओं की रक्षा करता है। इसलिए देश की जनता को किसानों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके समर्थन में आगे आना चाहिए। मोदी जी किसानों की बात को भले ही अनसुना कर दें लेकिन थाली की आवाज को अनसुना नहीं कर सकते। इसलिए मेरी देश की जनता से अपील है कि वह किसानों के प्रति अपना समर्थन प्रकट करने के लिए एक बार पुनः अपने घरों से थाली बजाने का काम करें, जिस प्रकार मोदी जी के आह्वान पर उसने कोरोना के खिलाफ अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए बजाई थी।

आप द्वारका मंडल पदाधिकारियों की बैठक

द्वारका। द्वारका विधान सभा के वार्ड नंबर 31 एस के एमसीडी स्कूल दयाल पार्क एवं दौलत राम पब्लिक स्कूल के मंडलों की मीटिंग हुई जिसमें लोक सभा अध्यक्ष अनिल मलिक ने मण्डल के सभी पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने के दिशा-निर्देश दिए और साथ ही कोरोना महामारी से बचाव के लिए जनता के बीच जाकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

हल्की बारिश से दिल्ली को मिलेगी प्रदूषण से राहत

दिल्ली-एनसीआर के इलाके में हल्की बारिश का अनुमान जताया है। माना जा रहा है कि इस बारिश की वजह से शनिवार को प्रदूषण से बारिश के अगले ही दिन राजधानी का दम घुटना फिर से शुरू हो जाएगा।

इसकी वजह बारिश के बाद हवा में नमी का बढ़ना है जिसकी वजह से प्रदूषकों को हवा में देर तक बने रहने की जगह मिलेगी।

लंगर व मैडिकल सहुलियतों के बाद दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने संघर्ष कर रहे किसानों के लिए रैन बसेरे की व्यवस्था की

सिरसा व कालका ने सिंधू व टिकरी बार्डर पर लिया सहुलियतों का जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अपनी मांगों को लेकर दिल्ली के बार्डर पर डटे किसानों के लिए लंगर और मैडिकल सहुलियतों के बाद अब किसानों के सोने के लिए रैनबसेरे की सहुलियत प्रदान की है। कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा, महासचिव हरमीत सिंह कालका, तख्त श्री पटना साहिब प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जथेदार अवतार सिंह हित्त और दिल्ली कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीबी रणजीत कौर ने टिकरी एवं सिंघू बार्डर पर किसानों की सहुलियतों के लिए सेवाओं का जायजा लिया।

कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा व महासचिव हरमीत सिंह कालका ने बताया कि कमेटी के द्वारा पहले किसानों के लिए गुरु के लंगर का प्रबंध किया गया था जिसके पश्चात दवाइयों व एंबुलेंस का प्रबंध किया और अब किसानों के लिए रैन बसेरे बना कर गद्दे व रजाईयों और कंबल, टैंट इत्यादि का प्रबंध किया गया है।

उन्होंने बताया कि हम प्रतिदिन किसानों की जरूरतों का जायजा ले रहे हैं और जो भी जरूरत किसानों को इस संघर्ष में होगी उसे कमेटी पूरा करेगी।

इस दौरान तख्त श्री पटना साहिब कमेटी के अध्यक्ष जथेदार अवतार सिंह हित्त और दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणजीत कौर ने सिंघू बार्डर पर पहुंच कर किसानों को दी जा रही सहुलियतों का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने किसानों से बातचीत की और उनकी जरूरतों का जायजा लिया। उन्होंने तख्त श्री पटना साहिब कमेटी और दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की तरफ से विश्वास दिलाया कि दिल्ली के बार्डर पर अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष कर रहे किसानों को किसी भी तरह की कोई मुश्किल नहीं आने दी जायेगी

द्वारका में कोरोना जांच शिविर

द्वारका। द्वारका विधान सभा के विधायक विनय मिश्रा के कार्यालय डाबड़ी वैशाली गली नंबर 2 में कोरोना का फ्री चेकअप कैंप लगाया गया। इस शिविर में कोरोना टेस्ट कराने के इच्छुक बड़ी संख्या में लोगों ने अपना कोरोना का टेस्ट करवाया।

निगम पार्षद कैलाश सांकला के नेतृत्व में केजरीवाल का पुतला जलाकर किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

मादीपुर। शनिवार, 12 दिसंबर को प्रात: 10:00 बजे को केजरीवाल सरकार द्वारा निगम फंड के 13000 करोड़ रुपए जारी न करने के विरोध में भाजपा मादीपुर विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी कैलाश सांकला (निगम पार्षद) के नेतृत्व में मादीपुर विधानसभा के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने स्थानीय विधायक के पश्चिमपुरी कार्यालय पर केजरीवाल का पुतला जलाकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में मादीपुर निगम पार्षद श्रीमती सुनीता कांगड़ा, राजा गार्डन निगम पार्षद श्रीमती सुषमा चोपड़ा, रघुवीर नगर से निगम पार्षद सुश्री पूर्वा सांखला, पंजाबी बाग मंडल अध्यक्ष कमल तंवर, मादीपुर मंडल अध्यक्ष सुंदर लाल निगम, राजा गार्डन मंडल अध्यक्ष ऋषभ त्यागी, रघुवीर नगर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र मैनी, पश्चिमी जिला,प्रदेश नेताओं इत्यादि सहित पार्टी के अन्य कार्याकर्ता सम्मलित थे इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री केजरीवाल के निवास के बाहर तीनों निगमों के महापौर और अन्य पदाधिकारियों का धरना छठे दिन भी जारी रहा।

स्थानीय विधायक के कार्यालय पर हुए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कैलाश सांकला ने केजरीवाल सरकार को जनविरोधी सरकार बता कर कहा कि दिल्लीवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ताक पर रखकर राजनीतिक द्वेष में निगम को बर्बाद करने पर अड़ी है भारतीय जनता पार्टी उनके इस नकारात्मक योजना को सफल नहीं होने देगी। दिल्ली में भाजपा दिल्ली वासियों के हित में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पेंशन, शिक्षा, सड़क, स्वच्छता हो या विकास दिल्ली नगर निगम हर क्षेत्र में दिल्लीवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान हमेशा की है और आगे भी करती रहेगी। निगम का फंड रोककर केजरीवाल सरकार उन सुविधाओं से दिल्लीवासियों को वंचित नहीं कर सकती है कैलाश सांकला ने भाजपा नेताओं एवं प्रदर्शन करने आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार और उनका पूरा मंत्रिमंडल इन दिनों दिल्ली वासियों को भ्रमित करने के लिए नए-नए पैंतरे आजमा रहे हैं। कभी मुख्यमंत्री केजरीवाल हाउस अरेस्ट की बाते करते हैं तो कभी उनके मंत्री पुरानी वीडियो वायरल कर भाजपा कार्यकर्ताओं को बदनाम करने की कोशिश करते हैं उन्होंने कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता दिल्लीवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति कटिबद्ध है, निगम नेताओं को जान से मारने की धमकी देकर अपराधियों वाला काम तो आम आदमी पार्टी नेता कर रहे हैं उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के झूठ और गैर जिम्मेदाराना रवैया के खिलाफ हमारी लड़ाई आगे भी यूँही जारी रहेगी।

गिनीज बुक में दर्ज है भारत के इस शानदार मंदिर का नाम

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने हिंदुओं के सबसे बड़े मंदिर का दर्जा दिया है यमुना तट पर बने दिल्ली के स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर को यह मंदिर इंसानी कला व कल्पना का बेजोड़ नमूना है। 8 नवंबर, 2000 को इस मंदिर का निर्माण आरंभ हुआ और 6 नवम्बर 2006 को मुख्य स्वामी महाराज, भारत के पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे अब्दुल कलाम और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की संयुक्त उपस्थिति में अक्षरधाम का भव्य उदघाटन समारोह हुआ।

100 एकड़ की भूमि पर बना यह भव्य मंदिर 5 वर्ष में बन कर पूरा हुआ। अक्षरधाम मंदिर में भारत की 10 हजार साल पुरानी रहस्यमय सांस्कृतिक धरोहर मौजूद है। इस मंदिर में 234 खंभे, नौका विहार की सुविधा, सिनेमाघर और करीब 20 हजार मूर्तियां हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर बनाती हैं। इस मंदिर में कहीं भी कंक्रीट या स्टील का इस्तेमाल नहीं हुआ है। मंदिर का पूर्ण निर्माण लाल-गुलाबी सेन्ड स्टोन तथा सफेद संगमरमर से हुआ है, जो 141 फीट ऊंचा, 316 फीट चौड़ा तथा 356 फीट लंबा है। अक्षरधाम में नक्काशीदार 234 स्तम्भ, 9 विशाल गुम्बद, 20 शिखर तथा 20000 से भी अधिक तराशी हुई मनमोहक कलाकृतियां हैं।

मंदिर परिसर के सामने ही भगवान स्वामी नारायण की स्वर्ण मंडित बड़ी सी प्रतिमा है और साथ ही उनके शिष्यों की भी जिन्होंने उनके पंथ को आगे बढ़ाया। मंदिर की दूसरी मंजिल पर भगवान स्वामी नारायण के जीवन से जुड़ी वस्तुएं रखी हैं, जिनमें बैल गाड़ी से लेकर चमड़े की थैली, बर्तन, और उनका दांत भी है। उनके दांत में दर्द होने पर एक सोनार से उन्होंने दांत निकलवाया था। यह दांत सोनार के परिवार वालों ने संस्थान को भेंट किया। मंदिर वास्तु एवं शिल्प का उत्कृष्ट नमूना है। इसका विशाल स्वरूप मनमोहक है। मंदिर परिसर में लाइट एंड साऊंड शो दिखाया जाता है लेजर लाईट के साथ।

भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है और सभी प्रकार के देशी-विदेशी पर्यटकों को, आकृष्ट करने के लिए अक्षरधाम सही आकर्षण हैं। मंदिर में नए अनुभव, ज्ञान और मनोरंजन के ढेरों साधन उपलब्ध हैं।

दयालु और सेवाभावी होते हैं गोल चेहरे वाले लोग

किसी भी महिला या पुरुष का चेहरा देखकर उनके व्यक्तित्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। वेबसाइट कॉस्मोपॉलिटन में प्रकाशित एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने यह दावा किया है। विशेषज्ञों ने कहा-कई लोग सामने वाले के चेहरे से उसके व्यक्तित्व का अंदाजा लगाते हैं। चेहरे को देख कहते हैं कि वह निर्दोष है, वह तेज दिमाग का है। कई मामलों में यह सही होता है, हालांकि किसी के कार्य ही व्यक्ति के सही व्यक्तित्व का खुलासा करते हैं, फिर भी चेहरा पढ़ने के गुण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आयताकार चेहरा

दूसरों पर प्रभाव जमाने की कोशिश करते हैं लेकिन कम दबाव से। व्यापार और राजनीति में पारंगत होते हैं। संतुलित स्वभाव वाले ये लोग आपा नहीं खोते हैं। ये लोग महत्वाकांक्षी होते हैं लेकिन कई बार ये आलसी भी होते हैं।

मोटा चेहरा

गोल और मोटे चेहरे वाले व्यक्ति दयालु और सेवाभावी होते हैं, उनकी कल्पनाएं प्रबल होती हैं। यदि आपको जीवनभर प्यार करने वाले हमसफर की तलाश है तो ऐसे व्यक्ति आपके जीवन को प्यार से भर सकते हैं।

इन्हें भी याद रखें:

W lery yyk% ये जिम्मेदार किस्म के इंसान होते हैं

Wxksy yyk% कलात्मक व रचनात्मक होते हैं, लेकिन व्यावहारिक नहीं होते हैं

W pkSdks yyk% ईमानदारी और सज्जनता की मूरत होते हैं।

Wekfks j js[kk, a% तीव्र स्वभाव वाले और नई खोज करने वाले होते हैं

Wekfks j js[kk, a ugha% स्वार्थी और दया के अभाव का संकेत

WNksVh vka[ksa% ऐसे लोग अपने राज जल्दी नहीं खोलते हैं

तिकोना चेहरा

Wइनका शरीर पतला और ये बौद्धिक सोच के धनी होते हैं। ऐसे लोग रचनात्मक होते हैं। इन्हें गुस्सा भी जल्दी आता है।

चौकोर चेहरा

Wऐसे लोग बुद्धिमान होते हैं। भ्रम में नहीं होते हैं और निर्णय भी स्वयं करते हैं। ऐसे व्यक्ति आक्रामक और प्रभावी होते हैं।

अंडाकार चेहरा

Wऐसा चेहरा आकर्षक व संतुलित होने की निशानी है। ये लोग अच्छे राजनेता होते हैं, मानसिक, शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं।

धार्मिक समारोह एवं त्यौहारों में पूजा के अंत में क्यों की जाती है आरती?

देव पूजन के बाद आरती करने का विधान है। आरती करते हुए भक्त के मन में ऐसी भावना होनी चाहिए कि मानो वह पंच-प्राणों की सहायता से ईश्वर की आरती उतार रहा हो। घी की ज्योति जीव के आत्मा की ज्योति का प्रतीक मानी जाती है। यदि भक्त अंतर्मन से ईश्वर को पुकारते हैं तो यह पंचारती कहलाती है।

आरती प्राय: दिन में एक से पांच बार की जाती है। इसे हर प्रकार के धार्मिक समारोह एवं त्यौहारों में पूजा के अंत में करते हैं। एक पात्र में शुद्ध घी लेकर उसमें विषम संख्या (जैसे 3, 4 या 7) में बत्तियां जलाकर आरती की जाती है। इसके अलावा कपूर से भी आरती कर सकते हैं। सामान्य तौर पर पांच बत्तियों से आरती की जाती है, जिसे पंच प्रदीप भी कहते हैं।

आरती पांच प्रकार से की जाती है। पहली दीपमाला से, दूसरी जल से भरे शंख से, तीसरी धुले हुए वस्त्र से, चौथी आम और पीपल आदि के पत्तों से और पांचवीं साष्टांग अर्थात शरीर के पांचों भाग (मस्तिष्क, हृदय, दोनों कंधो, हाथ व घुटने) से। पंच प्राणों की प्रतीक आरती मानव शरीर के पंच-प्राणों की प्रतीक मानी जाती है।

दूसरी मान्यतानुसार ईश्वर की नजर उतारी जाती है या बलाएं ली जाती हैं व भक्तजन उसे इस प्रकार अपने ऊपर लेने की भावना करते हैं। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चों की बलाएं ले लेती हैं। यह मात्र सांकेतिक होता है, असल में इसका उद्देश्य ईश्वर के प्रति अपना समर्पण व प्रेम जताना होता है।

किसी भी दिल और दिमाग पर राज करना चाहते हैं तो मानें चाणक्य की ये बात

bfUnz; t; ds fy, euq";

इन्द्रियों पर विजय का आधार विनम्रता है।

जिस राजा ने विनम्रता के मर्म को समझकर विनम्र रहना सीख लिया और अपने सभी आचार-विचार में विनम्रता का प्रयोग करना प्रारंभ कर दिया है, उस राजा को स्वत: ही इन्द्रियों पर विजय प्राप्त हो जाती है।

वह अपने विनम्र स्वभाव से सभी का हृदय जीत लेता है।

घर के ग्रह दोष बदल सकती हैं बेटियां

b प्रभु ने आपके भाग्य में जो लिख दिया है उसे कोई टाल नहीं सकता, मगर ईर्ष्या रूपी रोग आपके सुखों को भगा कर ले जाता है।

b जीने की कला संत-महापुरुष सिखाते हैं। जैसी आपकी खुराक होगी-वैसा शरीर। जैसा मन वैसे विचार होंगे।

b जीवन की आधारशिला रसोई है। रसोई ही मंदिर है।

b परिवार का पालन-पोषण करना भी यज्ञ है। हवन यज्ञ करने, परिवार का पालन-पोषण करने से भी आनंद प्राप्त होता है।

b जिन बेटियों को कोख में खत्म कर दिया जाता है वे जन्म लेकर आपके घर के ग्रह दोष बदल सकती हैं। ग्रंथों में भी बेटियों को लक्ष्मी का दर्जा दिया है।

b अपनी मां को खुश कर लो। तुम्हारे हाथों की लकीरें बदल जाएंगी और गम की जंजीरें टूट जाएंगी। तुम खुशहाल हो जाओगे। मां ही भगवान का दूसरा रूप है।

b प्रभु श्री राम सबको कठपुतली की तरह नचाते हैं और सब नाच रहे हैं। हम सबकी डोर उस परमपिता के हाथों में है।

दंपति के अनमोल पलों के बीच बाधा बन रहा स्मार्टफोन

एक समय था जब आधुनिक युवतियों को यह शिकायत थी कि उनके पति उन्हें नहीं बल्कि टीवी देखकर मुस्कुराते हैं। डेटिंग के दौरान हर पल प्रेमिका को निहारने वाला प्रेमी, पति बनते ही अब मोबाइल निहारने लगा है। आफिस से लौटते ही 'बैरी पिया' व्हाट्सअप, फेसबुक, ट्वीटर और दूसरे कई ऐप में डूब जाते हैं। नतीजा यह कि बेडरूम में प्यार और गर्माहट नहीं बल्कि स्मार्टफोन की 'बल्ले-बल्ले' होती है। अगर कामकाजी दंपत्ति हैं, तो फिर फुर्सत के पल तो भूल ही जाओ। ऑफिस से अगर फुर्सत मिलती है, तो बीच में स्मार्टफोन आ जाता है। इससे तो अच्छा रेडियो और चित्रहार का जमाना अच्छा था। कम से कम गाने सुनकर ही रोमांस तो हो जाता था। गाने सुनने के दौरान भी एक दूसरे के लिए समय तो होता था। दुख-सुख के भागीदार तो बनते थे।

भारतीय महानगरों से लेकर कस्बों तक पहुंचते वाई-फाई नेटवर्क ने बेडरूम में मोबाइल फोन को जीवनसाथी से ज्यादा 'कीमती' बना दिया है। पति-पत्नी के बीच बातें कम फेसबुक और वाट्सअप का जाल बिछ आया है। देर रात तक लोग मोबाइल में ही लगे रहते हैं। इसके बाद चिंता यह होती है कि सुबह उठना भी है। ऐसे में युवा दंपत्तियों के बीच प्यार के 'अनमोल' पल कहीं खो गए हैं। जबकि हकीकत यह है कि आजकाल की युवतियां अपने हसबैंड से ज्यादा प्यार और 'केयर' चाहती हैं। इस प्यार के बीच जब यह स्मार्टफोन आता है, तो उन्हें यह सबसे बड़ा दुश्मन लगने लगता है। टेक्नोलॉजी की इस दुनिया में युवतियों का सबसे बड़ा दुश्मन स्मार्टफोन ही है, जो उनके पति का ज्यादा समय बर्बाद करता है और उनके लिए जरा सा भी समय नहीं छोड़ता। लिहाजा एक ही रास्ता बचता है कि मोबाइल फोन को ही जिंदगी से कुछ देर के लिए निकाल दिया जाए।

स्मार्टफोन ने तो अब अधेड़ उम्र के लोगों को अपना शिकार बना लिया है। इस उम्र के लोग भी प्यार का महत्व समझते थे पर स्मार्टफोन उनके प्यार के बीच भी दीवार बन गया है। कभी टीवी को कमरे से बाहर करने वाले ये दंपत्ति अब स्मार्टफोन के दीवाने हो गए हैं। यकीनन कोई भी पत्नी यह नहीं चाहेगी कि बगल में बैठा उसका पति उसे न देखकर व्हाट्सअप, फेसबुक और दूसरे ऐप में व्यस्त रहे। ज्यादातर युवतियां स्मार्टफोन को इस्तेमाल तो करती हैं, पर अपने परिवार और बच्चों के साथ रहने पर उसे साइड कर देती हैं।

कई युवतियां ऐसी भी हैं, जो स्मार्टफोन में खोई रहती हैं और पति इंतजार करते रह जाते हैं। इसलिए कसूरवार स्मार्टफोन नहीं बल्कि वे दंपत्ति हैं, जो अपने प्यार की उपेक्षा करते हैं। शादी के छह महीने या साल भर बाद स्मार्टफोन में खो जाने वाले युगलों के संबंध में वैसी गर्मजोशी नहीं रहती। एक दूसरे की बात सुनने का समय नहीं होता और ना ही एक दूसरे के प्रति वह चाहत रह जाती है। कुछ दूरियां काम बना देती हैं और बची-खुची कसर स्मार्टफोन कर देता है। नतीजा प्यार खोने लगता है और रिश्तों में कड़वाहट आने लगती है।

स्मार्टफोन का नुकसान यह हो रहा है कि कपल एक कमरे में साथ रहते हुए भी अपने-अपने मोबाइल में खोए रहते हैं। स्मार्टफोन हमारे जीवन का हिस्सा जरूर है, पर यह जीवन भी नहीं है। लिहाजा बातचीत करने का समय निकालें ताकि रिश्तों की गर्माहट बनी रहें। मोबाइल फोन तो हमेशा रहेगा पर यह 'अनमोल पल' निकाल गया तो दोबारा नहीं आएगा। मोबाइल तो फिर भी मिल जाएगा पर ये रोमानी पल जो निकल गए तो व्हाट्सअप का संदेश और फेसबुक का 'आभासी मित्र' कभी पूरा नहीं कर पाएगा।

गोवा में लें समुद्र तटों के साथ जल परिवहन का आनंद

कर्नाटक और महाराष्ट्र से घिरे गोवा की झीलें, झरने एवं नदियां और बाग-बगीचों के अलावा सागर तट देशी-विदेशी पर्यटकों को वर्ष भर आकर्षित किए रहते हैं। यहां के अनेक बीच मसलन- कलंगूट, कोलवा, डोना पाउला, मीरामार, अंजुना, बागाटोर, अगोंडा, आरामबोल व पोलोलेम आदि पर्यटकों से भरे रहते हैं। सागर तट के साथ ही यहां नारियल, ताड़, काजू, कटहल व आम के वृक्षों की भी भरमार है।

गोवा की खास विशेषता यहां का जल परिवहन है। मोटरबोट व अन्य नौकाएं डोना पाउला से मारगाओ हार्बर के बीच तथा मांडवी व जुआरी नदियों के तट पर पर्यटकों को सैर कराने के लिए सदैव उपलब्ध रहती हैं। गोवा पर लगभग 450 वर्षों तक पुर्तगालियों का शासन रहा। भारत के स्वाधीन होने के 16 वर्ष बाद 1961 में यह पुर्तगाली शासन से मुक्त हुआ और भारत का अंग बन कर एक स्वतंत्र राज्य बन गया।

अरब सागर को छूने वाले गोवा का पश्चिमी छोर इतना विशाल है कि उत्तर से दक्षिण तक सागर तट की लंबाई लगभग 150 किलोमीटर है। सागर किनारे मीलों तक फैले रेतीले तट पर लोग धूप का आनंद लेते हैं। अंजुना बीच पर हिप्पी लड़के-लड़कियों का क्रीड़ा स्थल भी है। हजारों की संख्या में हिप्पी नंगे बदन दिन पर रेत पर लेट कर धूम्रपान का आनंद लेते हैं। अरब सागर से पेड़-पौधों और हरियाली के बीच से आने वाली पछुआ बयार का स्पर्श भी सबको रोमांचित कर देता है। पर्यटक गुब्बारे के सहारे सागर की लहरों पर उड़ते हुए पैरासेलिंग के रोमांचकारी आनंद का अनुभव भी कर सकते हैं।

गोवा की राजधानी पणजी से छह किलोमीटर दूर सात किलोमीटर तक धनुषाकार कलंगूट बीच को तो सागरतट की रानी कहा जाता है। मार्च से मई के बीच यहां सैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ती है। पणजी के दक्षिण महागांव से मात्र छह किलोमीटर दूर ताड़ व नारियल के वृक्षों से आच्छादित कोलवा बीच एक खूबसूरत समुद्र तट है। यहां से सूर्योदय व सूर्यास्त के मनोरम दृश्य बड़े ही विहंगम लगते हैं। मीरामार बीच पणजी से तीन किलोमीटर दूर है। पणजी का निकटतम बीच होने के कारण यहां सैलानियों का तांता लगा रहता है। गोवा का सबसे प्रसिद्ध डोना पाउला बीच पणजी से सात किलोमीटर दूर है। इस सागर तट पर सैलानियों की अत्यधिक भीड़ होने से यहां काफी रौनक रहती है। यहां अरब सागर की लहरें किनारे को छूकर लहलहाती वापस सागर में मिल जाती हैं।

उत्तर गोवा में मांडवी नदी के तट पर गोवा की राजधानी पणजी में पुर्तगाली सभ्यता तथा ईसाई धर्म का काफी प्रभाव है, इसलिए यहां के अधिकतर निवासी पश्चिमी वेशभूषा में ही दिखाई पड़ते हैं। यहां प्रत्येक मकान में लाल रंग की ढलवां छत है। यह एक रूमानी शहर है।

पणजी के बीचोंबीच बीजापुर नवाब का पुराना महल है।

विश्व प्रसिद्ध चर्च वसिलिका आफ बाम जीसस चर्च भी यहीं है। चर्च के परिसर में संत फ्रांसिस जेवियर के पार्थिव शरीर की 400 वर्षों से ममी रखी हुई है। यह ममी जीवंत प्रतीत होती है। संत जेवियर का पार्थिव शरीर चांदी की मंजूषा में रखा हुआ है। इसके ऊपर शीशे का आवरण है। बिना किसी मसाले के लंबे समय तक रखे रहने पर भी शव में कोई विकृति नहीं आई है। हर दस वर्ष पर शव को मंजूषा से निकाल कर एक माह तक खुले मंच पर लोगों के दर्शनार्थ रख दिया जाता है।

गोवा का मंगेश मंदिर भी दर्शनीय है। यह मंदिर पणजी से 23 किलोमटर की दूरी पर स्थित है। पोंडा स्थित मंगेश का मंदिर 400 वर्ष पुराना है। भगवान शिव का यह मंदिर गोवा का सबसे खूबसूरत मंदिर है। गोवा के अन्य दर्शनीय स्थलों में अगोडा का किला, मेथम झील, दूध सागर, महावीर वन्य जीवन अभ्यारण्य तथा गोवा संग्रहालय व गोवा के ऐतिहासिक किलों का नाम लिया जा सकता है। गोवा में 17वीं शताब्दी में निर्मित पणजी से 20 किलोमीटर दूर अडवंदा फोर्ट में प्राचीर से लगी 79 बड़ी तोपें आज भी देखी जा सकती हैं। इसी किले की बदौलत पुर्तगाली सेना ने डच और फ्रांसीसी सेना को परास्त किया था।

गोवा आने के लिए सबसे बढ़िया समय अक्टूबर से मई तक है। जून से सितंबर तक यहां बारिश होती है। इसलिए उस समय कम पर्यटक आते हैं। गोवा शेष भारत से जल, वायु, रेल और सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है।

हमारा स्वास्थ्य

मौसम की सब्जी-बहुमुखी मूली

प्रकृति ने हर मौसम में हमारे लिए ऐसे फल और सब्जियां दी है जो मौसम के अनुसार हमारे स्वास्थ्य और सौन्दर्य को बनाए रखने में सक्षम है। सर्दी की ऋतु में आसानी से उपलब्ध मूली का प्रयोग सलाद के रूप में अधिकांश घरों में किया जाता है। मूली का रंग सफेद होता है। पर यह चेहरे को लालिमा प्रदान करती है। मूली और इसके पत्ते भोजन पचाने में बहुत उपयोगी होते हैं। वैसे तो मूली का प्रयोग पराठे, रायता, सब्जी, अचार तथा भुजिया बनाने के लिए भी किया जाता है।

प्रतिदिन एक मूली खाने से मनुष्य स्वस्थ रह सकता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, गन्धक, आयोडीन तथा आयरन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसमें सोडियम, फास्फोरस, क्लोरीन तथा मैगनीशियम भी पाया जाता है। इसमें विटामिन ए.बी.सी. पर्याप्त मात्रा में हैं। सामान्यतः मूली खाकर हम पत्तों को फेक देते हैं। परन्तु यह वात, पित्त, कफ तीनों रोगों को दूर करता है। अजीर्ण के लिए तो मूली रामबाण है। सलाद में नमक के साथ मूली, टमाटर, ककड़ी, का मिश्रित सलाद बहुगुणकारी है।

कुछ अनुभूत प्रयोग भी आजमाएं :

D अम्लपित्त (हाईपर एसिडिटी) के लिए ताजी मूली मिश्री के साथ खाने से लाभकारी होता है।

D पीलिया और लीवर रोग में कच्ची मूली सेवन करने से मूत्र में विजातीय तत्व निकल जाते हैं।

D मूली शरीर से कार्बन डाइऑक्साइड निकालकर ऑक्सीजन प्रदान करती है।

D दांतों को मजबूती, हड्डियों को शक्ति प्रदान करती है।

D मूली के सेवन से पेट के कीड़े निकल जाते हैं।

D उच्च रक्तचाप नियंत्रण, हृदयरोग में शान्ति, मूत्र रोगों में लाभकर है।

D मूली, नीबू का रस नमक के साथ लेने से शरीर का मोटापा कम होता है।

D मूली रक्त शोधक है। यह खुश्की, झाइयां, कील-मुंहासे दूर करती हैं, जिससे रक्त शुद्ध होता है।

-डॉ. पुरुषोत्तम दास

वजन घटाती हैं हल्दी

हल्दी बॉडी में जमा फैट को बर्न करती है। रोज सुबह एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर खाकर पानी पिएं। इससे जल्दी वजन घटेगा, शिकागो में हुए एक शोध की मानें तो तीन महीने तक लगातार यह क्रिया करने से वजन तीन गुना अधिक तेजी से घटता है।

gYnhds Qk ns

सब्लड सर्कुलेशन सुधारती है, इससे ब्लडप्रेशर और दिल की बीमारी होने का खतरा काफी हद तक टलता है।

सहल्दी में एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं। चोट लगने पर इसे लगाएं या फिर दूध के साथ पिएं।

सहल्दी को दूध के साथ मिलाकर पिएं, यह साइनस, दमा, ब्रोंकाइटिस और जमे हुए कफ की समस्या से राहत दिलाती है।

सहल्दी को गर्म पानी में मिलाए, इस पानी से कुल्ला करें। मुंह के छालों में आराम मिलेगा।

सयह ब्लॉटिंग और गैस की समस्या को कम करती है। इसे नियमित डाइट में शामिल करने से डाइजेशन सुधरता है।

osYk Wek

सहल्दी में एंटीबैक्टिरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं, जो शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। इससे सर्दी, खांसी और वायरल इंफेक्शन में आराम मिलता है।

सहल्दी से बॉडी में इंसुलिन लेवल बैलेंस रहता है, जिससे डायबिटीज नियंत्रित रहती है। इसका नियमित सेवन डायबिटीज से बचाता भी है।

सहल्दी में मौजूद तत्व कैंसर बढ़ाने वाली सेल्स को बढ़ने से रोकते हैं। रोजाना इसे डाइट में शामिल करने से कैंसर का खतरा टलता है।

सहल्दी की एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी जोड़ों की समस्या को घटाती है। यह ऑस्टियोआर्थराइटिस और रूमेटॉइड ऑर्थराइटिस का खतरा घटाती है। इससे जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है।

सहल्दी में एंटी एजिंग तत्व पाए जाते हैं, जो तत्वचा की चमक बनाए रखते हैं। एक चौथाई हल्दी में कच्चा दूध और बेसन मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

gYnhfduy ksxksa dks de [kkuh pkfg, %

, uhfe; k: जिन लोगों को खून की कमी की समस्या है, वे एक छोटा चम्मच से कम मात्रा में हल्दी खाएं।

i xusUV %प्रेगनेंसी के दौरान दिनभर में एक छोटा चम्मच से कम मात्रा में हल्दी लें। इससे ज्यादा हल्दी खाने से यूट्रस में ऐंठन पैदा होने लगती है।

fyoj %जिन लोगों को लिवर से संबंधी समस्याएं हैं, वे एक आधी छोटी चम्मच से ज्यादा हल्दी न खाएं।

xkWy CySMj %जिन्हें गॉल ब्लैडर की समस्या है, उन्हें दिनभर में आधा छोटा चम्मच से ज्यादा हल्दी नहीं खानी चाहिए।

सस्किन पर झुर्रियां होने पर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। इसे रेगयुलर डाइट में शामिल करें। लाभ मिलेगा।

नारियल पानी के सात लाभ

नारियल पानी को अमृत कहां जाता हैं क्योंकि हमें भीतर-बाहर से पूर्ण स्वस्थ रखने में मदद करता है। यहां हम आपको नारियल पानी के अद्भुत लाभ बताते हैं।

/iwds izHkko ls jkgr %नारियल पानी को शरीर के उस प्रभावित भाग पर लगाइए, जो काला या लाल पड़ गया है। इसे 30 मिनट तक लगा रहने दें और इसके बाद ठंडे पानी से धोइएं। इसे नियमित रूप से कम एक सप्ताह तक प्रयोग करें और अपनी त्वचा में सुधार पायेंगे।

dhy&eqagkls dks jksds %अपने चेहरे को रोजाना नारियल पानी से धोइए। इसके प्रयोग से चेहरे पर दाग-धब्बों और कील-मुहांसों से छुटकारा मिलता है तथा चेहरे पर ताजा चमक पैदा होती है।

cky eas ywls, spd %नारियल पानी में ऐसे खनिज तत्व पाये जाते हैं, जो बालों में होने वाली डैंड्रफ को जड़ से खत्म करने में सहायक होते हैं। रेशमी और चमकदार बालों के लिए शैम्पू के बाद नारियल पानी का प्रयोग करना चाहिए।

Ropk curh pednkj %प्रत्येक दिन नियमित रूप से नारियल पानी का उपभोग आपकी त्वचा को चमकदार और मजबूत बनाता है।

इसके अलावा आप एक चम्मच कच्चे दूध के साथ मिलाकर त्वचा पर लगा सकते हैं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें, तत्पश्चात ठंडे पानी से धो डालिए। आपकी त्वचा आपके चेहरे की तरह चमकदार दिखाई देगी।

ot u esa deh %नारियल पानी बॉडी के मेटाबॉलिज्म अर्थात चय-अपचय बढ़ाने में मदद करता है। इसके बढ़ने से वजन में कमी आती है। प्यास बुझाने के लिए नारियल पानी एक सर्वोत्तम पेयजल है जो आपको पूर्ण संतुष्टि प्रदान करता है।

ekalis f'k; ksa ds rukao ls Nq/dkjk %कैल्शियम हमारे दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के अलावा हमारी मांसपशियों में होने वाले तनाव को दूर करता है।

जबकि मैग्नीशियम एक ऐसा तत्व है जो मांसपेशियों के अकड़न को दूर करता है और ये दोनों तत्व नारियल पानी में प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। इसलिए इसके उपभोग से हमारी मांसपेशियों को राहत मिलती है।

?kVrs gSa mez <+us ds l ads %आपके चेहरे और त्वचा पर होने वाली झुर्रियों या निशान आदि आपकी उम्र बढ़ने के संकेत हैं, जो नारियल पानी के प्रयोग से कम हो जाते हैं क्योंकि नारियल पानी में साइटोनिसी नामक तत्व पाया जाता है। जो विशेषकर त्वचा पर बढ़ती उम्र के संकेत को दूर करता है।

गुणकारी केले

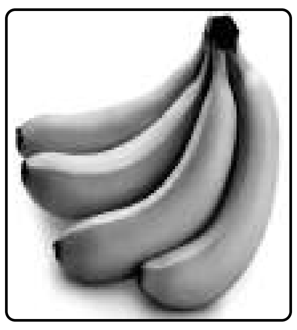

केले के औषधीय गुणों को कम लोग जानते हैं, केला चाहे कच्चा हो या पका हुआ इन दोनों की अपनी औषधीय उपयोगिता है। यही नहीं केले के फूल भी गुणकारी होते हैं। ऐसा माना जाता है कि केले का छिलका प्रोस्टेट ग्रंथि की वृद्धि को रोकने में मददगार होता है।

केले के छिलके को सुखाकर पीस लिया जाए और इस चूर्ण को आधा चम्मच की मात्रा में सेवन किया जाये तो यह प्रोस्टेट ग्रंथि की वृद्धि को रोकने में मदद करता है। केले के तने का रस पथरी में कारगर होता है। एक शोध के अनुसार केले के तने का रस गुर्दे की पथरी को तोड़कर उसे मूत्र मार्ग से बाहर निकला देता है। केले की जड़ और कच्चे केले में मधुमेह को नियंत्रित करने के गुण होते हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के वैज्ञानिकों के केले के पौधे के इन हिस्सों को मधुमेह को नियंत्रित करने वाली औषधि ग्लिबेनक्लेमाइड के समरूप पाया है।

चमत्कारी सफेद पेठा

सफेद पेठे को अलग-अलग जगहों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। इसके नाम के बारे में भी काफी लोगों को शंका थी। इसको संस्कृत में कूष्माण्डा, हिन्दी में सफेद पेठा, अंग्रेजी में ऐश गार्ड, कद्दू, कुम्हड़ा, सफेद कोला, बंगाली में चाल कुमरा, बिहार में बथुआ, गुजराती में भूरा कोहलू, मराठी में कोहला, केरल में कुम्बलंगा, तमिलनाडु में वेल्लई पुष्निका कहा जाता है। इसके जूस को इस्तेमाल करने की विधि के बारे में भी काफी लोगों ने फोन किया।

izk s dh fof/

पहले पेठे को अच्छी तरह धोकर काट लें। इसके अन्दर के गुदे में से जितने हो सके, बीज निकाल लें। अब पेठे के छोटे-छोटे टुकड़े करके (छिलके सहित) जूसर में इसका रस निकाला जा सकता है। यदि जूसर नहीं है तो कद्दूकस करके कपड़े में निचोड़ लें तो रस प्राप्त हो जाएगा। तीसरे मूसली व इमामदस्ता से कूट कर कपड़े में निचोड़ लें तो रस प्राप्त हो जाएगा। रस को निकालकर न रखे। तुरंत ही प्रयोग कर लें। इसके रस को एक बार में 250 से 500 ग्राम तक की मात्रा में प्रयोग किया जा सकता है। इतने रस में लगभग 1 किलो आटे की ताकत के बराबर ताकत शरीर प्राप्त कर लेता है। रस लेने से एक घंटे पहले और कम से कम दो घंटे बाद तक किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके रस में किसी भी प्रकार का नमक अथवा मीठे का प्रयोग नहीं करना चाहिए। कम से कम दिन में दो बार जूस का सेवन अवश्य करना चाहिएं हृदय रोग, अल्सर, खूनी बवासीर आदि जटिल रोगों में दिन में तीन-चार बार रस का प्रयोग करें तो आश्चर्यजनक लाभ होगा। इसके जूस के प्रयोग से अनेक लोगों को लाभ हुआ है।

मक्का

मक्के के दाने उबालकर खाने से अमाशय मजबूत होता है, यह खून को बढ़ाने वाला भी होता है।

शायरी की महफिल

k करार पाते हैं आखिर हम अपनी-अपनी जगह
ज्यादा रह नहीं सकता कोई किसी की जगह
बनानी पड़ती है हर शख्स को जगह अपनी
मिले अगरचे बज़ाहिर[1] बनी बनाई जगह

k ये शीशे की आंखें ये पत्थर के चेहरे
मेरा दर्द किससे गुजारिश करेगा

k सीधा सादा डाकिया जादू करे महान
इक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान

k कुंवारे लोग तो हर मुल्क में आज़ाद फिरते हैं
मगर शादी-शुदा किस्मत के मारे एक जैसे हैं
निकम्मे रहनुमा और अक्ल से पैदल सियासतदां[2]
हमारे एक जैसे हैं तुम्हारे एक जैसे हैं

k हमसे आदाब जीने के सीखो
हम बुजुर्गों में बैठे बहुत हैं
नौ जवानों की मजबूरियां हैं
सोचते कम समझते बहुत हैं।

k ये कैसे मान लूं मुझसे मुहब्बत तुम नहीं करते
क़सम जब खा रहे थे, सर पे मेरे हाथ क्यूं रक्खा

1-सिर्फ दिखने में, 2- नेतागण

अशोक वृक्ष के लाभ

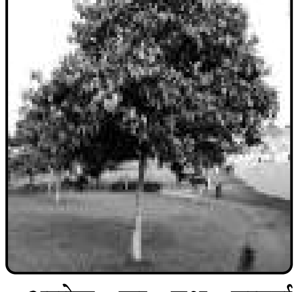

अशोक का वृक्ष सम्पूर्ण भारतवर्ष में पाया जाता है, लोग इसे घर पर भी लगाते हैं। आज वह अशोक से सौंदर्यवर्द्धक उबटन बनाने की विधि बता रहें है। गेहूं का आटा 4 चम्मच, सरसों का तेल 2 चम्मच, अशोक का चूर्ण 4 चम्मच इन तीनों को मिलाकर गाढ़ा घोल बना लें। यदि घोल ज्यादा गाढ़ा बन जाये तो इसमें थोड़ा दूध या पानी मिलाकर पतला कर लें। इस उबटन के प्रतिदिन चेहरे, हाथों और पैरों पर लगाएं। इससे रंग साफ होगा और तेजस्विता आएगी। दूसरा उपयोग अशोक की 250 ग्राम छाल का बारीक चूर्ण बना लें। और इसमें 250 ग्राम मिश्री मिलकर रख ले। यह चूर्ण श्वेत और रक्त प्रदर के लिए बड़ा उपयोगी है। मात्रा के धोवन का आधा गिलास पानी पी ले। तीसरा उपयोग गर्भस्त्राव को रोकने के लिए है। ऊपर लिखी विधि को प्रयोग गर्भधारण के पूर्व और बाद का प्रयोग करना है।

अनमोल है ईसबगोल

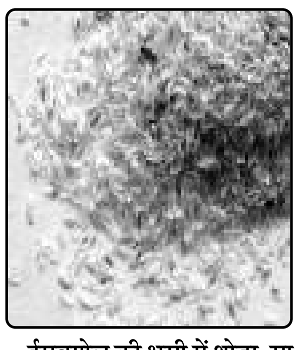

ईसबगोल की भूसी में थोड़ा-सा लुवाब होता है। यह पेट के सभी रोगों में काम आती है। इसका लुवाब अंतड़ियों में पहुंचकर उनकी क्रिया को तीव्र कर देता है। इसके फलस्वरूप आंतों में जमा पुराना मल सरलता से शौच के समय बाहर निकल जाता है। इसमें लेस होता है जो आंव (पेचिश) तथा मरोड़ को धो डालता है। ईसबगोल बलवर्द्धक, पौष्टिक तथा नपुंसकता को दूर करता है। इसके नियमित सेवन से व्यक्ति में पौरुष शक्ति बनी रहती है। आइए, देखें कि ईसबगोल की भूसी हमारे लिए कितनी उपयोगी है :

vkao (isfp'k) %एक चम्मच ईसबगोल की भूसी को आधा किलो मीठे दूध में भिगो दें। थोड़ी देर बाद जब वह फूल जाए तो रात को सोने से पूर्व उसका सेवन करें, सुबह के समय इसे दही और सेंधा नमक के साथ खाएं। चार-पांच दिनों तक नियमित रूप से इसका सेवन करने पर आंव साफ हो जाएगी।

l axg.kh %दो चम्मच ईसबगोल की भूसी, दो हर्र और थोड़ा सा बेल का सूखा गूदा-तीनों चीजों को पीसकर दो खुराक कर लें। फिर सुबह-शाम इसे दूध से खाएं। इसके प्रयोग से संग्रहणी रोग चला जाता है।

cokl hj %रात को दूध में भिगोकर कुछ दिनों तक ईसबगोल की भूसी का प्रयोग करें। बवासीर से शर्तिया छुटकारा मिल जाएगा।

i sska c esa t yu %तीन चम्मच ईसबगोल की भूसी को एक गिलास पानी में भिगो दें। उसमें एक चम्मच कच्ची खांड मिला लें। इसे दिन में दो बार सेवन करने से पेशाब की जलन दूर हो जाती है।

छोटी इलायची करती है कमाल

दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक है इलायची। भारतीय खानों में ये हमेशा से न सिफ खुश्बू, बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। इलायची वाली चाय हम भारतीय का हमेशा पसंदीदा रहा है। इसके कई ब्यूटी फायदे भी हैं।

Dyhaj ds : i esa %इलायची एसेशियल ऑयल को आप डेली क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं ये स्किन पर बैक्टीरिया और फफूंद को बढ़ने से रोकता है। इसके एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदे लेकर अपने चेहरे पर दो मिनट तक मसाज़ करें। अब लगातार क्लींजर से इसे साफ कर लें।

eqgkalsa ls fNqVdkjk dsfy, % थोड़े से इलायची पाउडर में कुछ बूंदे नींबू का रस मिलाएं। अब इसे मुंहासों या दाग धब्बों वाली जगह पर लगाएं। 10 मिनट तक लगा रहने दें और फिर सादे पानी से धो लें।

>qfj; ksa de djs %इलायची एसेंशियल ऑयल एक बहुत अच्छा एंटीऑक्सिडेंट है। स्किन का टेक्टचर सुधारकर ये उसे स्मूथ भी करता है। अपने फेस क्रीम में कुछ बूंदे इलायची तेल की मिलाकर लगाएं।

nedrh Ropk ds fy, %इलायची एसेसिशयल ऑयल में त्वचा को रिलैक्स करने की क्षमता होती है। त्वचा को नमी युक्त करते हुए इस चमकदार और मुलायम बनाता है। इलायची पाउडर और दही मिलाकर एक पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।

ekmFk okW'k %मुंह की सफाई के रूप में इसका इस्तेमाल आपने कभी न कभी जरूर किया होगा या करते होंगे। सांसों की बदबू दूर करने के लिए हरी इलायची खा सकते हैं या पानी में कुछ बूंदे इलायची एसेंशियल ऑयल की मिलाकर उसे माउथ वॉश की तरह इस्तेमाल करें।

शरीर को स्फूर्ति देता है आंवला

आयर्वेद में आवंले का विशेष महत्व है। इसका औषधियों में प्रयोग तो होता है मगर यह खान-पान का भी हिस्सा है। दिल के मरीज के लिए तो यह रामबाण है। कई घरों में यह आम बात है कि जब भी आंवला खाने की बारी आती है तो बच्चे तो बच्चे, युवा भी नाक-भौह सिकोड़ने लगते हैं, लेकिन इसमें कितने औषधीय गुण हैं इसका पता चल जाए तो हर व्यक्ति इसे रोज खाना चाहेगा, चाहे वह किसी भी रूप में हो।

आंवले को कई रूपों में लिया जा सकता है। इसे कच्चा तो खा ही सकते हैं मगर चटनी, अचार, मुरब्बे, शर्बत और चूर्ण के रूप में भी ले सकते हैं। हालांकि यह भारतीय फल है पर इसकी खेती श्रीलंका, चीन और मलेशिया में भी होती है। इसका स्वाद खट्टा और तीक्ष्ण होता है। मूलतः इसका स्वभाव मीठा है। कच्चा आंवला खाने के बाद पानी पीकर खुद महसूस कीजिए कि यह कैसा अमृत है। आंवले में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है। हमारे शरीर में विटामिन सी की जरूरत है। एक आंवले में विटामिन सी की उतनी ही मात्रा होती है जितनी दो-तीन संतरे में, आंवले में मौजूद विटामिन सी को हमारा शरीर जल्दी सोख लेता है। यह हमारे शरीर में इस विटामिन की मात्रा कम नहीं होने देता है। यह स्कर्वी जैसे रोग से भी बचाता है। आंवले का खास गुण यह है कि इसे आप ताजा खाएं या सुखाकर इसमें मौजूद विटामिन सी को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। आमतौर पर विटामिन सी में मौजूद तत्व को गर्म किया जाता है तो उसमें मौजूद विटामिन सी की मात्रा खत्म हो जाती है। मगर आंवले में एक ऐसा रासायनिक तत्व है, जो इसकी क्षति को रोकता है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आंवले का विशेष महत्व है। यह शरीर को शीतल रखता है। पेशाब संबंधी रोगों का भी नाश करता है। । यह आलस्य दूर कर शरीर में अद्भुत स्फूर्ति देता है। आंवले में रोग प्रतिरोधक क्षमता तो है ही, यह बढ़ती उम्र को भी कम करता है। शरीर की पूरी तंत्रिका प्रणाली को दुरूस्त करने में भी यह भूमिका निभाता है। आंवले में मौजूद विटामिन सी स्कर्वी जैसे रोग को दूर करने के साथ कई रोगों को दूर करने के साथ रोगों को दूर करने में भी सक्षम है, जैसे कैंसर, मोतियाबिंद, हृदय रोग, मधुमेह और असमय बुढ़ापा या कम उम्र में बालों का सफेद होना, विटामिन सी एनीमिया (अल्प रक्त) के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। अनुसंधान में यह बात साबित हो गई है कि आंवले के लगातार इस्तेमाल से दिल की बीमारी, मधुमेह और गुर्दे से संबंधित बीमारियां दूर हो जाती है। यह खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करता है। आंवला पेट में अम्लता की मात्रा को भी संतुलित रखता है। यह यकृत और फेफड़े को मजबूत करता हैं। दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखकर दिल को भी स्वस्थ रखता है, प्रजनन क्षमता को भी ठीक करता है।

रसोई से

C नींबू का अचार बनाने के लिए उसमें काला नमक, चीनी और अजवाइन डालकर धूप में रख दें, अचार स्वादिष्ट बनेगा।

C छोले बनाते वक्त चने में दो-चार बूंद नारियल तेल डालें। छोले बहुत मुलायम और स्वादिष्ट बनेंगे।

C चना दाल का पकौड़ा बनाते वक्त पानी के साथ टमाटर मैश कर उसमें दाल को भिगोएं। पकौड़े शानदार बनेंगे।

C तुलसी की पांच पत्तियों को चुटकी भर काला नमक और दो कालीमिर्च के साथ हर दिन खाएं। सांस नहीं फूलेगी।

C आंवले की गुठली जलाकर राख बना लें। उसमें फिटकरी और नारियल तेल मिलाकर एलर्जी वाली जगह पर नियमित लगाएं, राहत मिलेगी।

दुनिया का पहला वाल माउंटेड एयर कूलर लांच

दुनिया की सबसे बड़ी एयर कूलर कम्पनी सिम्फनी लिमिटेड ने 'क्लाउड' ब्रांड नेम के अन्तर्गत दुनिया का पहला वाल-माउंटिड एयर कूलर लांच किया है, जिसके लिए कम्पनी पहले ही अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए आवेदन कर चुकी है।

इस कम्पनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अचल बैकरी ने कहा कि 'हमने अपने वाल-माउंटिड एयर कूलर के लिए अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए आवेदन किया है। हम उपभोक्ता टिकाऊ कम्पनी है। जिसने डिसी प्रॉडक्ट के लिए अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए आवेदन किया है। इस कूलर को अंतिम रूप देने के लिए हमें 20 वर्ष लगे हैं। करंट मॉडल का वजन 1.5 टन एसी के बराबर होगा, लेकिन इसकी बिजली खपत बहुत कम अर्थात लगभग 250 वॉट के आसपास होगी।' इस मजबूत एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बाल माउंटिड एयर कूलर में 15 लीटर का इनबिल्ट वाटर टैंक होगा, जिसमें स्पलिट एसी जैसी आउटडोर यूनिट नहीं है। इस कूलर को कम्पनी ने सबसे पहले अहमदाबाद के बाजारों में उतारा है। जहां इसकी कीमत इस्टैलेशन चार्ज सहित 14,991 रुपये रखी गई है। कम्पनी इस कूलर को देश के अन्य शहरों में भी जारी करेगी, जिसमें कुछ महीने लग सकते हैं।

संतुलित भोजन न खाने से पैदा होते हैं कील-मुंहासे

आपको अपने खाने की थाली पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह आपकी त्वचा पर एक अवांछित प्रभाव डाल सकती है। संतुलित भोजन न खाने से इसका प्रभाव आपकी त्वचा या आपके चेहरे पर बने या मुहांसे के रूप में दिखाई देने लगता है, जो आपको न केवल कुरूप बनाते हैं, बल्कि आप हीन भावना से भी पीड़ित हो सकते हैं।

इसलिए आपको ऐसे आहार से बचना चाहिए जो त्वचा को नुकसान पहुँचाता है। डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने खाद्य पदार्थों को मोटे तौर पर ऐसी श्रेणियों में वर्गीकृत किया है जो कील-मुहांसे का कारण बनते है। उनके अनुसार चीनी एक ऐसा ही खाद्य पदार्थ है जो त्वचा को प्रभावित करता है। इसलिए वे सुझाव देते हैं कि अपने आहार में चीनी का प्रयोग कम करना चाहिए। इससे न केवल आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, बल्कि त्वचा भी साफ-सुथरी और चमकदार रहेगी। अधिक मात्रा में चीनी का प्रयोग हानिकारक है। ड्रिंक्स, मीठी चटनी, कुकीज, बिस्कुट और कैंडी बार सेवन बहुत कम करना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के अनुसार करना चाहिए।

हाल ही में हुए शोध अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि मीठे पदार्थों के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ता है क्योंकि इनमें हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जी आई) पाया जाता है। जो भोजन को ग्लूकोज में बदलता है जिसकी अधिक मात्रा त्वचा को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित करती है। आईजीआई विशेषज्ञ सफेद ब्रेड, सफेद चावल, चिप्स, बिस्कुट और कुकीज जैसे रिफाइंड आटे के उत्पादों में पाया जाता है। अतः इनका उपभोग कम करना चाहिए।

कटहल

गर्मी में इसे लगातार खाने से इम्युन सिस्टम मजबूत बनता है। ऐसे में आप खुद सोच सकते हैं कि जब इस फल के खाने से इतने सारे फायदे हैं तो ये त्वा को कितनी सारे फायदे पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ए, सी और बी व कैलशियम, जिंक और फॉस्फोरस त्वचा को हेल्दी बनाता है और उसकी रंगत साफ करता है। सौंदर्य निखारने के लिए कहटल का इस तरह से इस्तेमाल करें।

i hys dVgy dk isLV %पीले कटहल का पेस्ट त्वचा का ठंडक पहुंचाता है जिससे त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं और त्वचा सुंदर बनती है। लेकिन इस पेस्ट का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करा लें। इसमें मौजूद दूध आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए पहले से पैच टेस्ट जरूर कराएं।

eqgkas [kRe djs %अगर आप मुंहासों से परेशान है तो कटहल का इस्तेमाल करें। एक कटहल लें इसे दो हिस्सों में काट लें। फिर इसके अंदर के हिस्से को मुंहासों पर अच्छे रगड़े। अब इसे 15 मिनट तक चेहरे पर लगे रहने दें। फिर इसे ठंडे पानी से धो ले।

: [kh Ropk Bhd djs %कई लोगों की त्वचा इतनी रुखी होती है कि उसकी देखभाल कई बार काफी मुश्किल हो जाती है। ऐसे में रुखी त्वचा की देखभाल करने के लिए और उसे खुजली से बचाने के लिए कटहल के रस का उपयोग करें। कटहल के रस से चेहरे पर तब तक मसाज करें जब तक यह बिल्कुल सूख न जाए। अब कटहल के रस को चेहरे पर 20 मिनट तक लगे रहने दें। फिर इसे गुलाब जल से साफ कर दें।

>qfj Z ka nwj djs %कई बार अनहेल्दी खाने और प्रदूषण की वजह से झुर्रियां जल्दी आ जाती है। झुर्रियां इंसान को उम्र से पहले बूढ़ा बना देती हैं। साथ ही इससे चेहरा डल लगता है। झुर्रियां दूर करने के लिए सबसे पहले कटहल का पेस्ट बनाएं और उसमें एक बड़ा चम्मच दूध मिलाएं। फिर इस पेस्ट को झुर्रियों पर लगाकर आराम से हल्के हाथों से धीरे-धीरे मसाज करें। फिर इसे 10 मिनट तक सूखने दें और उसके बाद ठण्डे पानी से धो दें।

Cysd gsMgV ,a %ब्लैकहेड से परेशान होने के बजाय कटहल का इस्तेमाल करें। इसे हटाने के लिए कटहल की तीन फलियों को बीज के साथ पीस लें और थोड़ी देर तक गाढ़ा होने के लिए छोड़ दें। इसके बाद इस पेस्ट से अपने चेहरे पर ऊपर की तरफ मसाज करें। 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे ठंडे पानी से धो दें।

महाशय धर्मपाल गुलाटी जी का निधन संपूर्ण समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति

6वें नेशनल स्पाइसेस एंड हर्ब्स सेमिनार एवं एग्जिबिशन के दौरान एनएनएस मीडिया ग्रुप द्वारा मसालों की दुनिया के शहंशाह महाशय धर्मपाल जी को लाइफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

एमडीएच मसालों के मालिक महाशय धर्मपाल गुलाटी का गत 3 दिसंबर को सुबह हृदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया। उनके निधन से ना केवल भारतीय मसाला उद्योग में शोक व्याप्त हो गया बल्कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके निधन पर सभी स्तरों पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। ना केवल मसाला व्यवसाय से जुड़े दिग्गज उद्योगपतियों ने महाशय जी के निधन पर दुख जताया बल्कि राजनीति, समाज सेवा व लगभग प्रत्येक क्षेत्र के दिग्गजों ने महाशय धर्मपाल जी के निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया, जिसका भरा जाना संभव नहीं है। यह महाशय जी का विराट व्यक्तित्व ही था कि उनके निधन से संपूर्ण देश में शोक की लहर दौड़ गई। निधन का समाचार प्राप्त होते ही लोगों में एक कोलाहल मच गया। उद्योग जगत से जुड़े लोग हों, मीडिया जगत से जुड़े लोग हों अथवा किसी भी अन्य क्षेत्र से जुड़े लोग हों, जो किसी भी प्रकार से महाशय धर्मपाल गुलाटी जी के संपर्क में रहे उन्हें तरह-तरह से याद कर श्रद्धांजलि देने में कतारबद्ध दिखे। महाशय धर्मपाल जी का व्यक्तित्व ही कुछ ऐसा था कि हर आदमी उनके निधन पर उन्हें याद कर अपनी ओर से श्रद्धांजलि देने को आतुर था। इसी संदर्भ में हमने मसाला उद्योग से जुड़े अनेक दिग्गजों से उनके व्यक्तित्व के पहलुओं पर बात की। सभी ने एक स्वर से माना कि महाशय धर्मपाल गुलाटी भारतीय मसाला व्यवसाय के जनक थे। भारतीय मसाला व्यवसाय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का सारा श्रेय महाशय जी को जाता है। इतनी ऊंचाइयों पर पहुंच जाने के बाद भी उनमें अहंकार लेश मात्र भी नहीं था। वह सभी से समान रूप से आदरपूर्वक, प्रेम पूर्वक मिलते थे। प्रस्तुत है कुछ दिग्गज उद्योगपतियों से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

मसाला उद्योग के आइकॉन थे महाशय जी : परमजीत सिंह

हरि-जस स्पाईसिस के मैनेजिंग डायरेक्टर परमजीत सिंह ने कहा कि महाशय धर्मपाल जी मसाला उद्योग जगत के लिए भगवान के समान थे, जिन्होंने इस उद्योग को इतना आगे बढ़ाया। मेरी दिल्ली के मंच पर मुझे उनसे

कई बार मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महाशय धर्मपाल जी का व्यक्तित्व ऐसा था कि वह जिस किसी भी व्यक्ति से मिलते थे उसे लगता था कि जैसे उनका उनसे बहुत प्रगाढ एवं पुराना रिश्ता हो। उनकी आत्मीयता एवं लगाव देखकर बहुत अच्छा लगता था। मसाला जगत में उनकी बादशाहत हमेशा कायम रही। उनके बाद मसाले के चाहे जितने भी ब्रांड आए हो लेकिन विश्व भर में हमेशा एमडीएच की ही धूम रही। एमडीएच मसाले की जो बात है वह अलग ही है। वे मसाला उद्योग के आइकॉन थे। अति सम्मानयोग्य महाशय जी ने मुझे तीन बातें सिखाई थी- मेहनत करना, ईमानदार बनाना एवं मीठा बोलना। इन बातो से वे हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। उनके विछोह से मन बड़ा व्याकुल है। मैंने तो अपने ऑफिस में उनकी एक बड़ी सी फोटो लगा रखी है। जिस प्रकार भगवान की पूजा करते हैं, उसी तरह महाशय जी की पूजा करते हैं। ईश्वर महाशय जी की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार सहित हम सभी को इस असह्य दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

खुले दिल के शहंशाह थे महाशय धर्मपाल जी प्रदीप कुमार भैया जी

बिहार मैत्री संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारतीय गौ क्रांति मंच के दिल्ली प्रदेश प्रभारी प्रदीप कुमार 'भैया जी' ने महाशय धर्मपाल जी के निधन पर

गहरा दुख प्रकट करते हुए देश के लिए अपूरणीय क्षति बतलाया। 'भैया जी' ने कहा कि मुझे महाशय जी से मिलने का कई बार सौभाग्य मिला। उन्होंने इस नियम पूर्वक मेरे सिर पर हाथ रख कर कहा कि सदा सच बोलो, ईमानदार बनो और जीवन में आगे बढ़ने के लिए ईमानदारी का ताबीज गले में पहनो। महाशय जी बहुत ही खुले दिल के शहंशाह थे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग करते थे और कभी किसी को निराश नहीं करते थे। ऐसे विरले लोगों के जन्म लेने में सदियों लगते हैं। उनका निधन देश-समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसी पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस असह्य दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें। वैसे जाना तो एक न एक दिन सभी को है, लेकिन उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि लोग सोचते थे कि उनका साथ लम्बे समय तक बना रहे। हमलोग कभी सोचे भी नहीं थे कि वे 100 साल से पहले हमें छोड़कर चले जायेंगे। 98 साल के हो जाने के बाद भी वे पूरी तरह से एक्टिव थे। तमाम जगह आना-जाना और लोगों से हसते हुए मिलना बदस्तूर जारी था। मेरे भतीजे की शादी के सिलसिले में लीला होटल में उनसे मिलना हुआ। उन्होने बड़ी ही आत्मीयता एवं प्यार से दोनों हाथ मेरे सिर पर रखा और मुझे आशिर्वाद दिया। वह सुखद क्षण आज भी जहन में बसा हुआ है।

इतनी अधिक उम्र होने के बाद भी महाशय जी का काम करना सभी के लिए उदाहरण : डॉ. गिरीश गुप्ता

फूडीज ग्रुप ऑफ कंसल्टेंसी के एमडी डॉ. गिरीश गुप्ता ने एमडीएच के

जनक महाशय धर्मपाल जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे सक्सेसफुल बिजनेसमैन थे। वे अपना प्रचार स्वयं करते थे, जिससे वे घर-घर में एक जाना-पहचाना चेहरा बन चुके थे। इतनी अधिक उम्र होने के बावजूद वे सारा व्यवसाय स्वयं देखते थे, जो कि आजकल के बिजनेसमैन और नौकरी करने वालों के लिए सीखने व उदाहरण लेने की जरूरत है कि कोई आदमी कभी भी रिटायर नहीं होता। जब तक आदमी में काम करने का जज्बा होता है वह निरंतर काम करता रहता है। उम्र कभी भी किसी काम को करने में बाधा नहीं बन सकती। एनएनएस मीडिया ग्रुप द्वारा आयोजित मसालों के सेमिनार में एक बार मुझे उनसे सम्मानित होने का मौका मिला। वह पल मुझे सदैव स्मरण रहेगा। उन्होंने जिस तरह से मुझे आशीर्वाद देकर सम्मानित किया उससे प्रथम मुलाकात में ही एक संबंध बन गया। उनके चले जाने से व्यवसाय जगत, देश व समाज को निश्चित रूप से क्षति पहुंची है।

इस उम्र में भी महाशय जी की सक्रियता अपने आप में काबिले तारीफ है : डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा

भारतीय मसाला उद्योग के जनक महाशय धर्मपाल गुलाटी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए न्यू वेम्बले प्रोडक्ट्स के प्रबंध निदेशक डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा ने कहा कि जिस तरह से महाशय जी ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया वह अपने आप में काबिले तारीफ है। अत्यंत कठिन परिस्थितियों से निकलकर इतने विशाल साम्राज्य की स्थापना करना ही दर्शाता है कि महाशय धर्मपाल गुलाटी जी बेहद ही काबिल व्यक्ति थे। जिस प्रकार जीवन की विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए उन्होंने मसाला उद्योग को ना केवल एक नई दिशा दी बल्कि भारतीय मसालों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने में महाशय जी का योगदान उल्लेखनीय है। उनका पूरा जीवन किसी भी सामान्य आदमी के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत बन सकता है कि किस प्रकार एक सामान्य आदमी एक व्यवसाय के जनक की स्थिति में स्थिति में पहुंच सकता है। ना केवल उन्होंने उद्योग जगत में अपना एक विशेष मुकाम बनाया बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी एक विशिष्ट व्यक्ति बन कर उभरे। उम्र के इस पड़ाव में भी उनकी सक्रियता देखने लायक थी। आज तक भी अपने सभी विज्ञापनों में वह स्वयं नजर आते थे। जीवन भर जिस तरह की जीवन शैली को उन्होंने अपनाया वह सभी के लिए अनुकरणीय है। शाश्वत सत्य है कि इस संसार से सभी को जाना है परंतु जीवन को लोगों के लिए प्रेरणाप्रद बनाकर सभी के लिए एक उदाहरण बनकर अपनी जीवन यात्रा पूरी करने वाले विरले ही होते हैं। ऐसी ही कुछ अद्भुत शख्सियतों में से एक थे महाशय धर्मपाल गुलाटी जी, उनका निधन संपूर्ण देश के लिए एक बड़ी क्षति है।

गुणों की खान थे महाशय धर्मपाल जी श्यामसुंदर अग्रवाल

बीकानेरवाला ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि महाशय धर्मपाल जी उद्योग-व्यापार जगत के लिए एक रोल मॉडल थे।

98 साल की उम्र में भी हुए काफी सक्रिय थे। उन्हें जब जहां भी याद करो वे वहां पहुंच जाते थे। शादी में याद करो, किसी अन्य कार्यक्रम में याद करो, वे अपनी गरिमामयी उपस्थिति से प्रत्येक कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा देते थे। उद्योग जगत को वे काफी कुछ देकर गए हैं। उन्होंने किसी को भी अपने से अलग नहीं समझा और सभी को सदैव अपने साथ समझा है। उनके बारे में तो जो भी कुछ कहो वह कम है। मेरी उनसे कई बार मुलाकात हुई। वे जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति थे। आमतौर पर आदमी जमीन से जितना जुड़ा हुआ होता है वह उतना ही ऊपर जाता है। आजकल तो थोड़ी सी ही सफलता मिलने पर आदमी का दिमाग सातवें आसमान पर चला जाता है। महाशय जी को हमेशा पता था कि मैं तांगेवाला हूं और खुद वे इसका जिक्र करते थे। वे सभी से बड़े ही आत्मीयता एवं अपनेपन से मिलते थे। उनमें एक-दो नहीं बल्कि बहुत सारे गुण थे, या यूं कहें कि सारे गुण थे। व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद महाशय जी सामाजिक कार्य भी बढ़-चढ़कर करते थे। वे दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वे सभी के लिए मददगार थे। वास्तव में वे गुणों की खान थे। उनका निधन देश एवं समाज के लिए गहरी क्षति है जिसकी भरपायी संभव नहीं है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

पाठ्यक्रम में शामिल की जाए महाशय जी की प्रेरक जीवनी : महेन्द्र गुप्ता

लिपका होम प्रोडक्ट्स के चेयरमैन महेन्द्र गुप्ता ने कहा कि महाशय

धर्मपाल जी इंसानियत की एक अद्भुत मिसाल थे। वे एक आर्यसमाजी थे और हर संस्थाओं को जीवित रखने का भरसक प्रयास करते थे। कहीं पर भी सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रम हो, चाहे उसके उद्घाटन में जाने की बात हो, उसमें वे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। जैसे हमने जनसेवा केमिस्ट का उद्घाटन किया था, उसमें वे बड़ी खुशी-खुशी आए। महाशय जी काफी उत्साहित थे। उनके वहां होने से काफी प्रेरणा मिली। लोग उन्हे एक सेलिब्रिटी की तरह देखते थे। आज जितना क्रेज सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की है, उतना ही क्रेज महाशय जी का था। किसी भी कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी पर लोगों में उनके साथ फोटो खिचवाने की होड़ सी लग जाती थी। उनके व्यक्तित्व की एक और खूबी यह थी कि किसी भी कार्यक्रम में उनके आ जाने से वहां पर एक सकारात्मक उर्जा का संचार होता था। उनके व्यापार करने का तरीका हो या समाजसेवा का कार्य, उनकी हर एक चीज एक मिसाल है। उनके ऊपर तो हम जैसे लोगों को कुछ कहना छोटा मुंह और बड़ी बात होगी। हम तो उनके व्यक्तित्व का वर्णन शब्दों में बहुत आसानी से नहीं कर सकते। निश्चित रुप से उनका निधन देश एवं समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आज व्यवसाय की दौड़ में तो हम सब अपना साम्राज्य स्थापित करने में लगे रहते हैं लेकिन एक व्यवसायी का चरित्र क्या होना चाहिए, उसका व्यक्तित्व कैसा होना चाहिए जिससे समाज प्रेरित हो, देश प्रेरित हो इसके लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार को महाशय जी के व्यक्तित्व का अध्ययन करना चाहिए। निश्चित तौर पर अगर किसी सेलेबस में महाशय जी के व्यक्तित्व एवं उनके जीवन संघर्षों पर आधारित एक अध्याय जुड जाए, तो लोगों को काफी प्रेरणा मिलेगी। उनके व्यक्तित्व से आम आदमी या एक व्यापारी कैसे लाभान्वित हो सकता है और उनके पदचिन्हों पर चलकर कैसे समाज को प्रेरणा दे सकता है अगर यह सब बातें पाठ्यक्रम में शामिल किया जाता है तो देश एवं समाज का काफी भला होगा। आज हम भी व्यापार करते हैं लेकिन उस व्यक्तित्व तक पहुंचना, उनके जैसी छाप छोड़ना, उस तरह से अपने आसपास के लोगों को लाभ पहुंचाना यह उनके व्यक्तित्व से सीखा जा सकता है।

महाशय जी ने रचा संघर्ष से सफलता का एक नया इतिहास : अर्पिता बंसल

सुप्रसिद्ध अभिनेत्री, समाजसेविका, वैदिक एस्ट्रोलॉजर, ह्यूमन राइट्स

एक्टिविस्ट, सैकड़ों पुरस्कारों से नवाजी जा चुकी अर्पिता बंसल का मानना है कि महाशय जी ने जमीन से आसमान को छुआ है। नि:संदेह उन्होने संघर्ष से सफलता का एक नया इतिहास लिखा है। पाकिस्तान से दिल्ली आने के बाद एक तांगे से अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करके उन्होने एमडीएच के रुप में एक बहुत बड़ा साम्राज्य स्थापित किया। न सिर्फ एशिया महाद्वीप बल्कि पूरी दुनियां में मसाला उद्योग जगत में एमडीएच नम्बर वन पर है। वे जीवनपर्यंत पूरी तत्परता से समाजसेवा में लगे रहे। समाज एवं देश की सेवा उन्होने बखूबी की। उनका पूरा सात्विक परिवार है। महाशय धर्मपाल जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणाप्रद है। परमात्मा ने 98 वर्ष की आयु में उन्हें अपने पास बुला लिया। उनके जैसा जुनून एवं जोश वाला व्यत्तिफ़त्व निकट भविष्य में शायद ही कोई पैदा हो। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें और परिजनों को इस दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

महान व्यक्ति थे महाशय धर्मपाल जी सुभाष गर्ग

विख्यात समाजसेवी सुभाष गर्ग ने कहा कि महाशय धर्मपाल जी मेरे बुजुर्ग के नाते थे और मेरा सौभाग्य है कि मुझे उनसे कई बार मिलने का मौका

मिला और उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मुझे और महाशय जी दोनों को एक साथ मेरी दिल्ली के मंच पर अवार्ड प्राप्त हुआ। जीवन में सादगी, बड़प्पन और हर छोटे व्यक्ति से भी बात करने में वे किसी भी प्रकार का संकोच नहीं रखते थे। उनका इतना बड़प्पन और महानता ही उन्हें इतनी लंबी उम्र तक लेकर गई। वे समाज एवं देश के लिए जीरो से हीरो बने। मैं ऐसे महान व्यक्ति को शत-शत नमन करता हूं और चाहता हूं कि ऐसे व्यक्ति पैदा होते रहे जिनके दिल में देश प्रेम एवं जनकल्याण की भावना हमेशा बनी रहे। वह सिर्फ एक व्यापारी ही नहीं बल्कि एक सच्चे देशभक्त भी थे। उन की धड़कनें देश के लिए ही धड़कती थी। प्रगति मैदान में मेरी दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मेरी उनसे मुलाकात हुई उस वक्त मैं थोड़ा सीरियस मूड में था। लेकिन उन्होंने मुझे लाइट मूड में लाकर एकदम से हंसा दिया। मैं अचंभित रह गया कि इतनी बड़ी पर्सनैलिटी वाला व्यक्तित्व मुझ जैसे व्यक्ति को भी इतना अपनापन दिखा रहा है। वह क्षण मैं कभी भूल नहीं पाता। ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि ऐसी महान आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार सहित समाज को इस असीम दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

महाशय धर्मपाल जी भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत : अनिल मित्तल

जाने-माने समाजसेवी व सातमोला ग्रुप के सीएमडी अनिल मित्तल ने महाशय धर्मपाल जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए कहा कि वह भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लिए प्रेरणास्त्रोत थे। उन्होंने पाकिस्तान से भारत में आकर तांगा चलाने से लेकर मसालों की दुनिया में जो उपलब्धि हासिल की है वह काफी लोगों के लिए प्रेरणादायक है। इतनी इज्जत, धन-दौलत होने के बावजूद उनमें द्वेष, घमंड व ईर्ष्या का नाममात्र भी स्थान नहीं था। उन्होंने समाज, व्यवसाय के लिए सारा जीवन समर्पित कर दिया। वह जरूरतमंदों के लिए चैरिटी करने व व्यवसाय में सभी

को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। वे पूरी दुनिया में मसाला किंग के नाम से मशहूर हुए। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका समाज व देश के लिए निभाई। वह दूसरे बिजनेसमैन को साथ लेकर चलते थे। एक बार मुझे भी उनसे एनएनएस मीडिया ग्रुप द्वारा आयोजित मसालों के सेमिनार में मिलने का मौका मिला जो कि मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। उन्होंने बड़ी सरलता से मुझे आशीर्वाद दिया जिसे भुला पाना मेरे लिए असंभव है। उनके चले जाने से निश्चित रूप से समाज व देश को क्षति पहुंची है।

कम ही पैदा होते हैं महाशय जी जैसे विरले : सेठ रामनिवास गुप्ता

विख्यात समाजसेवी एवं लेखक सेठ रामनिवास गुप्ता ने कहा कि महाशय धर्मपाल जी विनम्र स्वभाव वाले एक बहुत ही कामयाब इंसान थे। इन्द्रप्रस्थ

विश्व हिन्दू परिषद जिसका मैं दिल्ली प्रांत का कोषाध्यक्ष हूं, उसके कार्यक्रम में मैने महाशय जी को कई बार आमंत्रित किया था। समाज के लिए उनका काफी योगदान रहता था। सामाजिक संस्थाओं के लिए वे बिना कहे सहयोग प्रदान करते थे। समाज हित को ध्यान में रखते हुए मिल्कियतों की तो उन्होंने एक बहुत बड़ी जागीर खड़ी कर दी। नैतिक श्रेष्ठता, चरित्र निर्माण एवं सामाजिक बुराईयों को दूर करने का उनमें विशेष गुण था। वे समाज को अपने परिवार का हिस्सा मानते थे। मैं विश्व हिंदू परिषद, भारत विकास परिषद, शहीद चेतना स्मृति सहित तमाम अन्य संस्थाओं से जुड़ा हुआ हूं। मैंने उन्हें जब भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया वे खुशी-खुशी आए और अपना स्नेह प्रदर्शित किया। वे काफी गुणी व्यक्ति थे। समाज में ऐसे कभी विरले लोग ही पैदा होते हैं, जिनके पास धन-धान्य की कोई कमी ना हो और वह दूसरों का ख्याल रखे। समाज के दूसरे लोगों को अपने परिवार की तरह ही समझे और विनम्रता से पेश आए। उनमें यह सारे ही गुण थे। महाशय जी खुशियां बांटने वाले व्यक्ति थे। उनका विचार था कि मिले खुशियां हजारों खुशियों की कभी शाम न हो। आंखों में खुशी लबों पर हंसी गम का नामो-निशान न हो।। दूसरों के चेहरे पर प्रसन्नता देखना उन्हें पसंद था। मुझे कई बार उनसे मिलने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का मौका मिला। मैंने अपनी स्वरचित कविताओ, शेरो-शायरी का संकलन भारतीय विरासत के निर्झर, जिसका विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल जी ने विमोचन किया था, वह पुस्तक भी महाशय जी को भेंट की थी, जिसकी उन्होने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। संस्कार भारती द्वारा आयोजित नि: शुल्क नेत्र शिविर में भी मैंने उन्हें बुलाया था, जिसमें उनका महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। महाशय जी एक धार्मिक व्यक्ति भी थे। महाशय जी ने अपने जीवन संघर्षों से यह साबित किया कि- साहस और संकल्प से कुछ बड़ा नहीं, हारा वह जो लड़ा नहीं। महाशय जी को तमाम दिक्कतें आती रहीं, लेकिन उन्होने उन समस्याओं का बखूबी सामना किया और उल्लेखनीय सफलता पायी। उन्होंने खुद बताया कि किसी जमाने में वे तांगा चलाते थे। लेकिन बाद में उन्होंने एक बहुत बड़ा साम्राज्य स्थापित किया। आज एमडीएच मसाला पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। 98 वर्ष की उम्र कोई मामूली बात नहीं है। अपने आचार-विचार एवं आहार की बदौलत ही कोई व्यक्ति इतनी लंबी उम्र जी सकता है। मैं समझता हूं कि महाशय जी के बाद अब उनके पुत्र उनके सिद्धांतों, सामाजिक कार्यों आदि की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएंगे। महाशय जी का विचार था कि-

हम प्यार सभी से करते हैं, हम प्यार जताना क्या जानें।
हम मरहम बनकर रखते हैं, हम घाव लगाना क्या जानें।।

ऐसे उनके उत्तम विचार थे और समाज के लिए उनका महत्वपूर्ण योगदान था। समाज के कार्यों में वे बिना मांगे सहयोग देते थे। वे राष्ट्रवादी व्यक्ति थे। राष्ट्र भावना उनमें कूट-कूट कर भरा था। उनके चेहरे पर हमेशा खुशी विद्यमान रहती थी। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि खुशी को बना लो जिंदगी का उसूल। सब फेंक देते हैं मुरझाए हुए फूल।। इसलिए हम सभी को हमेशा हर हाल में खुश रहना चाहिए। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि महाशय जी को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार एवं समाज को इस असीम दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

मेरी दिल्ली हिन्दी दैनिक
की खबरें अपने मोबाईल पर पाने के लिए Like करें फेसबुक पर
www.facebook.com/meridelhinews

मोदी सरकार ने अंबानी–अडानी के इशारे पर किसानों को ठग लिया : सुशील गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता ने किसान आंदोलन को लेकर केन्द्र सरकार को आड़े हाथो लिया है। उन्होंने केन्द्र सरकार को असंवेदनशील बताते हुए कहा कि दिसम्बर की सर्द रातों में देश का अन्नदाता दिल्ली की सरहदों पर खुली सड़को पर सोने के लिए मजबूर है। लेकिन केन्द्र की मोदी सरकार इतनी असंवेदनशील हो गई है कि उसे सड़को पर बैठे किसान नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि मोदी सरकार ने अंबानी–अडानी के इशारे पर कृषि कानूनों की आड़ में किसानों को ठगा है और अब उनके पास किसानों के लिए कोई जवाब नहीं है। यहीं वजह है कि 18 दिन बीतने के बाद भी केन्द्र सरकार का कोई भी मंत्री किसी भी बॉर्डर पर किसानों से मिलने नहीं पहुंचा है। सुशील गुप्ता ने कहा कि अब हालत यह हो गई है कि सैंकड़ों की संख्या में आंदोलन में आने वाले किसान बीमार होने लगे है और सर्दी के चलते किसानों की मौत होने लगी है। अगर ऐसा ही चलता रहा और सरकार ने जल्द ही कोई समाधान नहीं निकाला तो केन्द्र सरकार को आंदोलन में होने वाली हर मौत का हिसाब देना होगा।

किसान आंदोलन केवल राजनैतिक स्टंट है : सुनीता मिश्रा

कर्मपुरा। दिल्ली के विभिन्न बॉर्डर पर कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान केवल विपक्षी पार्टियों का हथियार बन रहे हैं। यह कहना है करमपुरा वार्ड संख्या 99 से निगम पार्षद और भाजपा नेता सुनीता मिश्रा का। उन्होंने कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए कहा कि नए कृषि कानून मोदी सरकार किसानों की वर्तमान स्थिती सुधारने के लिए लाई है। इन बिलों में अगर कोई समस्या है तो सरकार बात करके किसानों की सभी समस्याओं को हल करने के लिए तैयार है। लेकिन जिस तरह से सरकार की ओर से आ रहे हर प्रस्तावों को नकारा जा रहा है, उससे साफ हो गया है कि यह बिलों के विरोध में धरना नहीं हो रहा है बल्कि राजनैतिक स्टंट किया जा रहा है। जिसमें शामिल लोग न केवल देश की छवी खराब कर रहे है बल्कि आम लोगों को भी परेशान कर रहे हैं।

सुनीता मिश्रा ने कहा की 70 साल में किसानों के लिए बहुत कुछ किया गया है, अगर ऐसा था तो पहले किसानो ने आत्महत्या क्यों कर रहे थे। इसका जवाब विपक्ष के पास नहीं होगा। मोदी सरकार ही किसानों की हमदर्द सरकार साबित हुई है। किसानों को सबसे ज्यादा एमएसपी देने का मामला हो या फिर बैंक में 6000 हजार रुपए देने का, यूरिया के दामों को नहीं बढ़ाने में सिर्फ मोदी सरकार ही यह काम कर सकी है।

मोदी सरकार किसान विरोधी काले क़ानून वापिस ले : राकेश जोशी

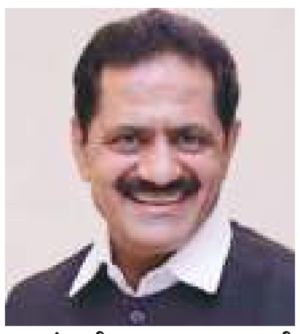

पंजाबी बाग। आम आदमी पार्टी नेता व पूर्व निगम पार्षद राकेश जोशी ने कहा कि भाजपा शासित मोदी सरकार ने सितंबर माह में किसान विरोधी 3 कृषि बिल पास किए हैं तभी से देशभर के किसान अपने अपने राज्यों में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। आज इस बात को लगभग 3 माह हो गए हैं परंतु अभी तक केंद्र सरकार ने किसानों की सुध लेने की सोची तक नहीं। दिल्ली आते समय हमारे अन्नदाता पर भाजपा की खट्टर सरकार ने डंडे बरसाए, आँसू गैस के गोले छोड़े, सर्दी के मौसम में ठंडे पानी की बौछार की और हर संभव कोशिश की कि किसान दिल्ली न पहुंच पाए। अब जब किसान दिल्ली बॉर्डर पहुंच गए हैं तो भाजपा इन किसानों को आतंकवादी बता रही है। इतिहास गवाह है कि हरित क्रांति के माध्यम से इन किसानों ने अन्न पैदावार के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाया। आज किसान का एक बेटा खेत में पसीना बहा कर हमारे लिए अन्न पैदा करता है तो दूसरा बेटा सरहद पर भारत माता की रक्षा के लिए खून बहाता है। आज भाजपा को शर्म आनी चाहिए कि ऐसे लोगों को आतंकवादी बोल रही है। उधर, अमित शाह से मिलने के पश्चात पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने किसानों को नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया। यह बहुत ही शर्म की बात है। न जाने अमरिंदर सिंह और अमित शाह के बीच क्या डील हुई है?

श्री जोशी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के आह्वान पर आम आदमी पार्टी के सांसद, विधायक, निगम पार्षद व हजारों वॉलिंटियर्स किसानों को अपना समर्थन देने के लिए पिछले 18 दिनों से आम आदमी रसोई के माध्यम से किसानों की सेवा कर रही है। सरकार को चाहिए कि किसानों की माँगों को तुरंत माने ताकि यह आंदोलन समाप्त हो सके।

योग प्रतियोगिता में एस.डी. पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी

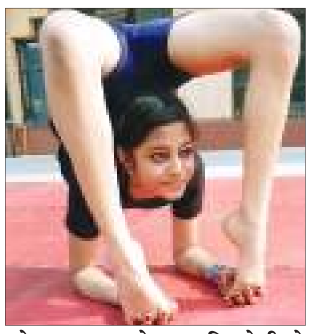

पीतमपुरा। सेंट मार्क्स गर्ल्स स्कूल, पश्चिम विहार द्वारा तीसरे योग उत्सव का आयोजन 5 दिसंबर को किया गया। जिसमें 15 विद्यालयों के 100 के करीब बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में छठी से आठवीं कक्षा एवं नौवीं से ग्यारहवीं कक्षा की छात्राओं की प्रतियोगिता आयोजित की गई। एस.डी. पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा को ओवरऑल चौंपियनशिप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

छठी से आठवीं कक्षा की छात्राओं में अफीफा अर्शद को बेस्ट आर्टिस्टिक प्लेयर का सम्मान दिया गया। वैष्णवी कुमारी आर्टिस्टिक प्रतियोगिता में प्रथम आयीं, वहीं नीती मित्तल ने एकल आसन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। नौवीं से ग्याहरवीं कक्षा वर्ग में भी प्रिंसी कुमारी ने आर्टिस्टिक योग में प्रथम स्थान व अनुष्का अग्रवाल ने आर्टिस्टिक योग में ही द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकल वर्ग में ज्योती लोधी ने स्थान व श्रेया अग्निहोत्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अनिता शर्मा ने योग गुरु हेमन्त शर्मा व टीम को शुभकामनाएं दीं।

स्व. प्रेमलता सिंहल को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

पंजाबी बाग। प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं बालाजी इवेंट्स के चेयरमैन सुशील सिंहल की माताजी स्व. प्रेमलता सिंहल को समाज एवं परिवार द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 8 दिसंबर को बावा नत्था सिंह वाटिका पंजाबी बाग में सायंकाल 3 से 4 बजे तक आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कोरोना के बावजूद बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

श्रद्धांजलि सभा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें सुप्रसिद्ध गायक अंकित बत्रा द्वारा सुमधुर भजन प्रस्तुत किए गए। पंडित जी द्वारा गरुड़ पुराण के 10 दिवसीय पाठ को पूर्ण किया गया एवं शोक संदेश भेजने वाली सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के नाम का उल्लेख किया गया। किसी प्रकार का भाषण नहीं किया गया जिससे श्रद्धांजलि सभा पूर्व निर्धारित समय पर समाप्त हुई। श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होने वाले सभी लोगों के लिए परिवार की ओर से जलपान का प्रबंध किया गया था। गायक अंकित बत्रा को पंजाबी बाग के लोगों ने संभवतः पहली बार सुना जिन्होंने अपने भजनों से सभी लोगों को भावविभोर कर दिया।

उल्लेखनीय है कि 80 वर्षीया श्रीमती प्रेमलता सिंहल धार्मिक विचारों की दृढ़ संकल्प वाली महिला थी, जिनके संस्कारों की छाप उनके पुत्र सुशील सिंहल के व्यक्तित्व में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। श्रीमती सिंहल अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़ कर गई हैं जिसमें पुत्र सुशील सिंहल, पुत्रवधू रश्मि सिंहल, पौत्र निखिल सिंहल, आदित्य सिंहल, पौत्रवधू युविका सिंहल, प्रपौत्र अव्यान सिंहल, पुत्री रेणू गुप्ता, इंदु मित्तल, दामाद हरिकृष्ण गुप्ता, नरेश मित्तल, पौत्री गीतिका एवं पौत्रीदामाद शगुन गुप्ता सम्मिलित हैं।

श्रीमती सत्यावती जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

पीतमपुरा। विख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति (बॉक्सर फुटवियर) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यावती जी को समाज के लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती सत्यावती जी का गत 2 दिसम्बर को निधन हो गया था। रविवार, 6 दिसम्बर को शिव मंदिर, राजधानी एन्क्लेव में उनकी पक्की तेरहवीं एवं रस्म पगड़ी हुई। जिसमें कोरोना संकट के बावजूद समाज, सगे-सम्बंधी सहित शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देकर शोक संतप्त परिवार को इस दुख से निपटने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

स्वर्गीय सत्यावती जी का संपूर्ण जीवन जरूरतमंद लोगों की सेवा व ईश्वर की भक्ति में बीता। उन्होंने समाज सेवा व परिवार को एक सूत्र में पिरोए रखने की भावना को अपने बच्चों में जगाया। धर्म एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके परिवार की अग्रणी भूमिका रहती है। स्वर्गीय श्रीमती सत्यावती जी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गई हैं। उनके शोक संतप्त परिवार में पति चन्द्रभान गुप्ता, पुत्र एवं पुत्रवधू विनोद कुमार गुप्ता-कुसुम लता, पौत्र एवं पौत्रवधू मुकुल राज-पूनम, पड़पौत्र आदित राज, पड़पौत्री ऐशटा गुप्ता एवं छवि गुप्ता सहित समस्त गर्ग परिवार सम्मिलित है।

जयदेव पार्क में आर टी / पीसीआर की नि :शुल्क कोरोना जांच कैंप मोबाइल वैन द्वारा : शिव चरण गोयल

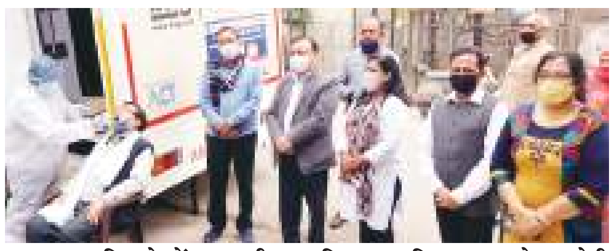

जयदेव पार्क। अरविन्द केजरीवाल दिल्ली सरकार द्वारा कोरोना महामारी को नियंतित्र करने के लिए पूरी दिल्ली में कोरोना की जांच अधिक से अधिक संख्या में किया जा रही है। विधायक शिवचरण गोयल ने मोती नगर के निवासियों की स्वास्थ्य सम्बंधित समस्या को देखते हुए जीजाबाई पार्क के सामने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क कोरोना जांच का कैंप मोबाइल बैन द्वारा लगवाया। जिसमे में आर टी / पीसीआर की जाँच अधिक से अधिक लोगों ने करवाई। जाँच के 24 घंटे के अंदर मोबाइल पे इसकी रिपोर्ट भी आ जाती है। विधायक शिवचरण गोयल मेरी दिल्ली संवाददाता को बताया की यह जाँच प्राइवेट लैबों में काफी महँगी है इसलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल जी के निर्देश पर कोरोना की जाँच को लोगो के लिए नि:शुल्क रखा गया है।लगभग सैकड़ों लोगों ने इस नि:शुल्क जाँच का लाभ उठाया ताकि आम आदमी को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार मोती नगर विधानसभा के अंतर्गत सभी क्षेत्रों में इस प्रकार का अभियान चलाया जायेगा और लोगों को जागरूक भी किया जायेगा। ताकि कोरोना के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके।

सेवा कार्यों के 260 दिन हुए पूरे : कैलाश सांकला

पंजाबी बाग। वैश्विक महामारी कोविड - 19 कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु लॉकडाउन से लेकर अब तक लगातार सेवा कार्यों के 260 दिन पूर्ण करके समाज सेवा में मानवता के नाम पर पंजाबी बाग से निगम पार्षद कैलाश सांकला ने अनूठी मिसाल पेश की है । दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी के अध्यक्ष एवं पंजाबी बाग वार्ड क्षेत्र से पार्षद कैलाश सांकला द्वारा सहायता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों को शिविर के माध्यम से लाभ पहुंचाया जाता है जिसमें अभी तक लगभग 6 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं जरूरतमंद लोगों को भोजन, मोदी किट खाद्य सामग्री, बच्चों के लिए मिल्क पाउडर, जूस , फेस मास्क, आयुष मंत्रालय द्वारा बताए गए आयुर्वेदिक काढ़ा, हैंड सेनीटाइजर निगम के स्वास्थ्य कर्मियों को सैंकड़ो पीपीई किट वितरण कि जा रही है। यह सहायता शिविर प्रतिदिन सेवा कार्यालय पंजाबी बाग क्लब रोड पैट्रोल पम्प के सामने पश्चिमपुरी में आयोजित किया जाता है ।

कुछ सावधानियों को अपनाकर कोरोना बिमारी से बचा जा सकता है : राजिंदर सिंघला

पश्चिम विहार। कोरोना की वैक्सीन बनाने का काम लगातार जारी है। ऐसे में जब तक इस बीमारी के लिए कोई कारगर वैक्सीन नहीं आ जाती है, तब तक लोगों को कई तरह की बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इससे कोरोना वायरस का खात्मा किया जा सकता है।

घर पर ही रहें और संभव हो तो लोगों से एक निश्चित दूरी बनाकर रहें, किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से बचें, बहुत अधिक जरूरत न हो तो यात्रा न करें, किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाये तो घर से निकलने से पहले मास्क लगाकर निकले, घर पर लोगों को आने से मना करें, कोई आता है तो उन्हें समझाएं, मिलने से बचें, हाथ हमेशा साबुन से धोते रहें और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें, छीकते और खांसते समय अपनी नाक और मुँह को रुमाल से ढके, बुजुर्गों को अलग कमरे में रखें और जितना हो सके उन्हें सावधानी बरतने को कहें, कोरोना का कोई भी लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर या केंद्र या राज्य सरकार की हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने की जंग में सबसे अहम भूमिका अदा कर रहे हैं तो वे हैं अस्पताल, नर्सेस, डॉक्टर्स । ये कोरोना के खिलाफ योद्धा के रूप में लड़ाई लड़ रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों क लिए उचित मात्रा में सभी सुविधाएं पहुंचाने की पुरजोर कोशिश हमारी सरकार, स्थानीय सेवा समितियों, स्वयं अस्पतालों की तरफ से की जा रही है। परन्तु फिर भी उपयुक्त सुविधाओं के आभाव में मरीजों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा था । हालांकि बीते समय के साथ पिछले कुछ दस महीनो से लगातार कोरोना से जूझने के बाद, आज के वर्तमान समय में अस्पतालों में काफी अच्छी सुविधा मरीजों को उपलब्ध हो रहीं है।

वैक्सीन आ जाने के बाद दवा वितरण में प्राथमिकता के अनुसार, सबसे पहले पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन श्रमिकों और गंभीर परिस्थितियों से पीड़ित बुजुर्ग लोगों को वैक्सीन दी जानी चाहिये। इसके पश्चात अन्य लोगो में बिमारी की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए इसका वितरण होना चाहिये।

।। योगयुक्तो विशुद्धात्मा विजितात्मा जितेन्द्रियः, सर्वभूतात्मभूतात्मा कुर्वन्नापि न लिप्यते ।।

–श्रीमद्‌भगवदगीता

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी

स्व. श्री बलराज कुमार गोयल

16 नवम्बर 1935 – 29 नवम्बर 2020

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी श्री बलराल कुमार गोयल जी का स्वर्गवास रविवार, दिनांक 29 नवम्बर को हो गया है। उनकी आत्मिक शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी निम्न कार्यक्रम अनुसार होगी –

रविवार, दिनांक 13 दिसम्बर, 2020

श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी .... दोपहर 2 से 3 बजे तक

स्थान : जिन्दल भवन, BQ-1A, शालीमार बाग, नई दिल्ली-110034

शोक संतप्त परिवार

पुत्र एवं पुत्रवधू
रोशन – रंजना गोयल
विनोद – मीनू गोयल
नरेश – अंजू गोयल
(अध्यक्ष, लाल बाग का राजा ट्रस्ट)
विनय – सुकीर्ति गोयल

पुत्र एवं पुत्रवधू
रमन – पायल गोयल
हरीश – निकिता गोयल
विवेक – शिखा गोयल
मनीष – कृति गोयल
अभय – सौम्या गोयल

पौत्री एवं दामाद
ऋचा – विशाल गुप्ता
लगिमा – अभिषेक गुप्ता

पड़पौत्र
गतिक, प्रथित, सक्षम
नवांश, हितार्थ, सुवीर

पुत्री एवं दामाद
सुनीता – इंद्र मोहन अग्रवाल

पौत्र
राघव, गौरव, कपिल

पड़पौत्री
हितांशी

एवं समस्त गोयल, अग्रवाल तथा गुप्ता परिवार

Date of Publication- : 13/12/2020
Posted at Delhi R.M.S. on- : 14/15/12/2020
Postal Regn. : DL (W) 05/2065/2018-2020 RNI No. 49326/89
Licence to Post Without Prepayment : U (W) - 08/2018-2020

दीपचंद बंधु अस्पताल कोरोना मरीजों के लिए बना संजीवनी बूटी

अस्पताल ने अबतक किया 2108 कोरोना मरीजों का सफल उपचार : डॉ. सुमन कुमारी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में कोरोना के मरीजों के लिए बनाए गए अस्पताल दीपचंद बंधु अस्पताल पिछले छह माह में 2108 मरीजों को सफल उपचार कर चुका है और यह आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है यह हॉस्पिटल कोरोना मरीजों के लिए संजीवनी बूटी की तरह काम कर रहा है।अस्पताल की चिकित्सा अधिक्षक (मेडिकल सुपरिडेंट) डॉ. सुमन कुमारी का कहना है कि कोरोना के पीक समय में तैनात डॉक्टरों की टीम को कोरोना के मरीजों का सफल उपचार करने का जो अनुभव मिला था वह अब मरीजों के लिए और फायदेमंद साबित हो रहा है क्यूंकि नई बीमारी के चलते डॉक्टर्स के लिए भी वह सिखने का समय था जिसमे हम डॉक्टर्स ने न केवल सीखा बल्कि हम सभी में और भी ज्यादा आत्मविश्वास जगा कि हमे अपनी जान की परवाह किये बिना देश के नागरिको की जान बचानी है और ऐसा सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने किया भी है । डॉक्टरों की टीम लगातार मरीजों को सफल उपचार कर उन्हें ठीक कर रही है और खुद को भी संक्रमित होने से बचा रही है। जिसके चलते अब कोरोना के मरीजों की संख्या दिल्ली में कम होने लगी है और रिकवरी रेट 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसके पीछे सरकार की सफल रणनीति के साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों की लगातार मेहनत करना रहा है। अब हम उस हालत में पहुंच चुके हैं जहां सिर्फ सावधानी बरतनी जरूरी है। अगर हम सावधानी बरतेंगे तो कोरोना को हर हाल में हरा देंगे।

लगातार कर रहे हैं सुविधाओं में विस्तार

चिकित्सा अधिक्षक डॉ. सुमन कुमारी ने कहा कि हम लगातार अपने यहां सुविधाओं में विस्तार कर रहे हैं। जब जून में अस्पताल को कोरोना अस्पताल घोषित किया गया था। तब हमने 193 बिस्तरों से अस्पताल शुरू किया था लेकिन अब यहां कुल 213 बेड मौजूद है। जून में 8 क्रिटिकल बिस्तर मौजूद थे। लेकिन अब क्रिटिकल बिस्तर की संख्या 75 पहुंच गई है। जिसमें से 14 पर वैटिंलेटर लगाए गए हैं। इतना ही नहीं सभी बिस्तरों पर ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई है। जिससे कोरोना के हर मरीज को बेड पर ही ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ रही सुविधाओं के चलते ही दिल्ली में कोरोना के मरीजों को असानी से बेहतर स्वास्थ्य मिल रहा है।

बेहतर तालमेल के साथ की कड़ी मेहनत : डॉ. रेनू टी. बाली

अस्पताल में तैनात दिल्ली सरकार की नोडल ऑफिसर डॉ. रेनू टी. बाली ने बताया कि दीपचंद बंधु अस्पताल में बेहतर तालमेल और स्वास्थ्यकर्मियों की कड़ी मेहनत का नतिजा है कि हम यहां लोगों को बेहतर सुविधाएं दे पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां किसी भी मरीज को 10 मिनट से ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ता है। इतने समय में ही मरीज की जांच से लेकर उसे भर्ती करने की सभी प्रक्रिया पूरी कर उसका उपचार शुरू कर दिया जाता है। जल्द से उपचार शुरू होने के चलते यहां कोरोना के मरीजों की रिकवरी रेट बहुत अच्छी जा रही है। उन्होंने बताया कि जून से लेकर 30 नवम्बर तक यहां कुल 2330 मरीज भर्ती हुए। जिसमें से 893 आईसीयू में थे और उनकी हालत बहुत गंभीर थी। लेकिन यहां से 2108 मरीज सफल उपचार के बाद के बाद कोरोना को मात देकर अपने घर लौट गए। जबकि 124 संक्रमित मरीजों ने उपचार के दौरान अपनी जान गवांई। मरने वाले मरीजों में वह मरीज ज्यादा थे, जिन्हें कोरोना के अलावा अन्य कई और भी बीमारीयां थी। इतना ही नहीं 44 मरीजों की मौत जून और 39 मरीजों की मौत नवम्बर में उस दौरान हुई जब कोरोना अपने पीक पर था। इसके अलावा डॉक्टरों की टीम ने यहां भर्ती मरीजों को हर तरह से कोरोना को मात देने के लिए हौसला और उपचार दिया।

योगा बना अहम हथियार : नवना अग्रवाल

अस्पताल में मैनेजमेंट का काम देख रही नवना अग्रवाल ने बताया कि कोरोना की लड़ाई में उसे हारने के लिए दवाइयों के साथ योगा भी अहम हथियार साबित हो रहा है। अस्पताल में विशेष तौर पर मरीजो के साथ- साथ डॉक्टर्स एवं सभी स्वास्थ्यकर्मचारियो को भी योग करवाया जा रहा है। इसके साथ ही मरीजो का शेड्यूल इस तरह बनाया जा रहा है।

जिसमे योग सहित कोरोना जैसी बीमारी से निपटने के लिए अन्य जरूरी चीजें भी अपनी जिंदगी में शामिल कर दिया जाए तो मरीजो को भविष्य में बीमारियों से कुछ हद तक सहायता मिल सकेगी ।

समय-समय पर हॉस्पिटल डॉ. एवं कर्मचारियों को उनकी बेहतरीन परफोर्मेंस के लिए सरहाता भी है

एनसीजेपीएस एल्यूमनी एसोसिएशन द्वारा टी 20 क्रिकेट 20 दिसंबर को

स्कूल के सभी एल्यूमनी सादर आमंत्रित

पंजाबी बाग। एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल (एनसीजेपीएस) एल्यूमनी एसोसिएशन (रजि.) द्वारा 'चेयरमैन्स एल्युमनी चैलेंजर टी 20 क्रिकेट कप' का आयोजन 20 दिसंबर को एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग के ग्राउंड में होगा। एल्यूमनी एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक ऋषि पाल व चेयरमैन अशोक गोयल ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक क्रिकेट मैच 10-10 ओवर का होगा, जिसमें चेयरमैन-II, पैट्र्न-II, प्रेसिडेंट-II, प्रिंसिपल-II सहित चार टीमें होंगी। विजेता टीम को चेयरमैन्स एल्यूमनी चैलेंजर टी 20 क्रिकेट मैच की ट्राफी दी जाएगी। वहीं उपविजेता टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच व फाइनल मैच के पश्चात मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट ऑलराउंडर एवं बेस्ट फील्डर के पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा।

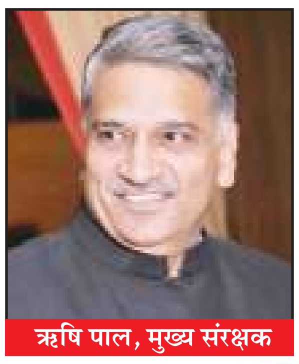

ऋषि पाल, मुख्य संरक्षक

अशोक गोयल, चेयरमैन

एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रधान योगेश मेहता व जनरल सेक्रेटरी अमित चड्ढा ने बताया कि कोरोना के चलते लोग काफी समय से घर में कैद रहे। ऐसे में अब इस क्रिकेट मैच का आयोजन होने से लोग बढ़- चढ़कर इसका आनंद उठाएंगे। कोरोना के तनाव के माहौल को दूर करने के लिए यह क्रिकेट मैच सभी के लिए यादगार रहेगा। इसलिए हमने स्कूल के सभी पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया है। योगेश मेहता व अमित चड्ढा ने इस क्रिकेट मैच के लिए स्कूल मैनेजमेंट, स्कूल प्रिंसिपल डॉ. डी.के. पाण्डे, माटा सर व स्पॉन्सर्स का भी धन्यवाद व्यक्त किया, जिनकी वजह से क्रिकेट मैच का यह कार्यक्रम आयोजित होगा।

इस क्रिकेट मैच के मुख्य प्रायोजक अशोक गोयल (चेयरमैन एनसीजेपीएस एल्यूमनी एसोसिएशन), सह प्रायोजक एग्रो प्योर, ब्रिज स्पोर्ट्स व शिव फ्रूट मार्ट हैं। स्कूल की एल्यूमनी एसोसिएशन की आर्गनाइजिंग कमेटी में नितिन सहगल, कुमुद खन्ना, विपीन पशरिचा, मन्जू सिंघल, रोहित शर्मा, पूर्णिमा गर्ग, विनय कपूर, राजेश छाबड़ा व सोरभ मित्तल इत्यादि सदस्य है।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित हुए मूवी मार्केटिंग गुरु वसीम अमरोहवी

सर्वश्रेष्ठ डिजिटल मूवी मार्केटिंग के लिए मिला यह सम्मान

मुम्बई। डिजिटल मार्केटिंग गुरु व इंकिंग आइडियाज के संस्थापक वसीम अमरोहवी को लीजेंड दादा साहब फाल्के सम्मान से नवाजा गया। वसीम अमरोहवी डिजिटल मार्केटिंग के प्रभाव से भलीभांति परिचित हैं। जब फिल्म विज्ञापन और मनोरंजन से संबंधित कोई बात होती है तो सबसे पहले वसीम अमरोहवी के आकर्षक व्यक्तित्व को याद किया जाता है। बजरंगी भाईजान, पैडमैन, टॉयलेट-एक प्रेम कथा आदि फिल्में उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग हेड के रूप में की। उन्होंने कई फिल्मों का प्रचार किया। इसीलिए इन फिल्मों के कारण उन्हें लीजेंड दादा साहब फाल्के अवार्ड बॉलीवुड के दिग्गजों के हाथ से प्राप्त हुआ।

अपनी इस दिलचस्प यात्रा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म, विज्ञापन और मनोरंजन के क्षेत्र में काम की खोजबीन बहुत चुनौतीपूर्ण रही। इस क्षेत्र में काम करना मेरे लिए एक बहुत कठिन कदम था, लेकिन मैंने इस मुश्किल राह को चुना। वसीम अमरोहवी डिजिटल मार्केटिंग उद्योग में सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक हैं। वह फिल्म, मार्केटिंग और मनोरंजन के सच्चे गुरु हैं इसमें कोई संदेह नहीं है। वसीम अमरोहवी वर्तमान में डिजिटल विज्ञापन विशेषज्ञ के रूप में सबसे अधिक मांग वालों में से एक हैं और कई पुरस्कार विजेता विज्ञापन अभियानों के पीछे भी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म पिंक, नीरजा और एक रचनात्मक निर्देशक के रूप में हुंडई, ऑल अबाउट यू और एचआरएक्स के लिए सर्वश्रेष्ठ अभियानों के संबंध में अपने सफल डिजिटल योगदान के लिए बीबीसी नेशनल मार्केटिंग अवार्ड 2017 सहित सर्वश्रेष्ठ अभियानों के लिए विश्वस्तर पर कई पुरस्कार जीते हैं।

अमरोही ने अपने नए अभियानों की जबरदस्त कामयाबी के लिए ए सी ई एफ अवार्ड सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया अभियान जीता है, जिसमें पर्क्स हंट, यस फाउंडेशन के साथ और भी कई नाम जुड़े हैं। वह कुछ बड़े बैनर की बॉलीवुड मूवी ट्यूबलाइट, सुल्तान, पैडमैन, रेड, गोलमाल अगेन, लखनऊ सेंट्रल, बेगम जान, भूमि और पोस्टर बॉयज से रचनात्मक निर्देशक और रणनीति प्रमुख के रूप में कई प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। वसीम अमरोहवी एमएस धोनी-अनटोल्ड स्टोरी, पद्मावत, सचिन-ए बिलियन ड्रीम्स, लोगान, द बॉस, बेबी, बेवाच, द ग्रेटेस्ट शोमैन, कुंग फू पांडा 3 और कई फिल्मों के लिए सर्वश्रेष्ठ डिजिटल मार्केटिंग अवार्ड जीत चुके हैं।

वह न केवल एक डिजिटल मार्केटिंग गुरु है बल्कि एक विज्ञापन, फिल्म निर्देशक, लेखक भी हैं। उन्होंने एसबीआई कार्ड्स, एसबीआई म्युचुअल फंड्स, लिनो पेरोस और कई अन्य लोगों के लिए विज्ञापन फिल्में लिखी और निर्देशित की है। इन सारी उपलब्धि के साथ लीजेंड दादा साहब फाल्के अवार्ड का सम्मान भी उन्हीं के नाम जुड़ गया है। अब वसीम अमरोहवी के लिए बॉलीवुड इंडस्ट्री में उनके मेहनत और लगन को दर्शाते हुए इस सम्मान के काबिल बनाती है।